डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/101/2020-22
R.N.I. No. RAJHIN/2014/56746
मीडिया दृष्टिकोण
वर्ष : 10 > अंक : 04 > मूल्य: 10 रुपए >पृष्ठ : 08

हिलव्यू समाचार

धर्म की हमेशा विजय होती है और अधर्म की हमेशा पराजय।
-शालिनी श्रीवास्तव

website: www.hsnews.in

साप्ताहिक समाचार पत्र
जयपुर, शुक्रवार, 14 जुलाई 2023

पंचवटी सर्कल पर सहकारिता, बन्नूवाल कमेटी व सरकार की अन्य ज़मीनों पर भी भूमाफियाओं का कब्ज़ा है जिसमें शामिल है शासन-प्रशासन के दिग्गज अधिकारी, कर्मचारी, एवं जनप्रतिनिधि भी

अटेंशन प्लीज़...

ईडी, एसीबी, इनकमटैक्स विभाग कृपया ध्यान दें!

पंचवटी सर्कल राजापार्क का भूमाफ़ियाराज कब आएगा नज़रों में

अतिक्रमित इन ज़मीनों की अवैध किराया वसूली की बंदी जाती है न जाने कहाँ- कहाँ?

शालिनी श्रीवास्तव

जयपुर। को-ऑपरेटिव सोसाइटी की जमीन पर निर्मित किराए पर चल रहे ऑफिस के दो कमरों की सील खोलने के लिए शेष 5 लाख की रिश्वत लेते हुए डिप्टी रजिस्ट्रार (सहकारी समितियां) देशराज यादव और निरीक्षक अरुण प्रताप सिंह एसीबी के हत्थे चढ़ गए हैं और जेल की सलाखों के पीछे अब सर धून रहे हैं अपना, मगर अब भी बाक़ी है कलई खुलनी सारे घोटालों की जो पंचवटी सर्कल राजापार्क से ही सम्बंधित होंगे।

पंचवटी सर्कल की सहकारिता, बन्नूवाल कमेटी या अन्य सरकारी ज़मीनों का लगातार चीरहरण भाजपा के दो पूर्व पार्षद सहित 6-7 भूमाफ़िया करते आ रहे हैं शायद इन्हें बल देशराज यादव जैसे अधिकारियों व कर्मचारियों से मिलता आ रहा है।

सहकारिता विभाग की ज़मीन, पुराने सरकारी डाकघर, सरकारी स्कूल और बन्नूवाल कमेटी की करोड़ों की ज़मीन खुर्द-बुर्द कर अतिक्रमण कर अवैध व्यवसायिक निर्माण कर अवैध किराया वसूली का धंधा ज़ोरों पर कई सालों से यह भूमाफ़िया चलाते आ रहे हैं जिनके नाम नीचे दिए गए हैं। देशराज यादव ही नहीं बल्कि कई सरकारी अधिकारियों,अफसरों व कर्मचारियों के भ्रष्टाचार से इनको बल मिला है जिसकी जाँच होनी चाहिए।

देशराज यादव

देशराज यादव डिप्टी रजिस्ट्रार सहकारिता विभाग भी पंचवटी सर्कल पर स्थित सहकारिता की ज़मीन पर अवैध रूप से बनीं कौन-कौनसी दुकान की सील खोलने के एवज में माँग रहा था 20 लाख की रिश्वत

सहकारिता डिप्टी रजिस्ट्रार देशराज यादव द्वारा सोसायटी के सील किये गए कमरे परिवादी नीलकमल ने परिवाद में सिंधुनगर को-ऑपरेटिव सोसायटी का ऑफिस बताया है जबकि बोर्ड कार्यालय समापक-दी पंजाबी हाउसिंग को-ऑपरेटिव सोसायटी का लगा है। जिस पर रजिस्ट्रेशन नंबर 394 23.02.1949 भी अंकित है।

अरुण प्रताप सिंह

इससे पूर्व सीमा अग्रवाल के नाम फ़र्ज़ी रजिस्ट्री हुई अवैध दुकान की सील खोलने के दिये जा चुके हैं 20 लाख रुपये जिसे हिलव्यू समाचार ने प्राथमिकता से प्रकाशित भी किया!

- इन भूमाफियाओं और अतिक्रमणकारियों का नामजद प्रकाशन किया गया!
- फ़र्ज़ी दस्तावेजों, फ़र्ज़ी स्टाम्पों के साथ बेचान व किरायेनामों की ख़बर को भी उजागर किया गया!
- यहाँ तक कि सीमा अग्रवाल के नाम से हुई रजिस्ट्री वाली अवैध दुकान की सील 20 लाख में ही खोली गयी इसका भी ख़ुलासा किया हालांकि यह सब कहाँ,क्यों,कैसे यह सब जाँच एजेंसीयों के जाँच के विषय हैं।
- **आख़िर कौन है सीमा अग्रवाल ? आगामी अंकों में यह भी होगा खुलासा!**

सबसे पहले अपने बैनर तले 14 मई 2023 को हिलव्यू समाचार ने आवाज़ उठाई और इस मामले का खुलासा किया इसके बाद परत-दर-परत हिलव्यू समाचार में लगातार प्रकाशित होती ख़बरों ने लगातार चेताया शासन और प्रशासन को

सरकार की इन ज़मीनों पर किराए से चलने वाले इन एनजीओ, स्कूल या कोई भी दुकान किस आधार पर किराए पर ली गई या खरीदी गई है।

ख़बर-बेख़बर

देशराज यादव डिप्टी रजिस्ट्रार के एसीबी द्वारा ट्रेप होने के साथ ही कुछ यक्ष प्रश्न मुँह उठाकर खड़े हो गए हैं

- देशराज यादव सहायक रजिस्ट्रार के पद पर था किंतु डिप्टी रजिस्ट्रार किसने और क्यों बना रखा था?
- नीलकमल शुक्ला ने अपनी सिंधु नगर कोऑपरेटिव सोसायटी का ऑफिस किस कॉलोनाइजर से व किस आधार पर किराए पर लिया हुआ था?
- सहकारिता की सरकारी ज़मीन पर कॉलोनाइजर का दख़ल कैसे व क्यों था?
- 24 जून को किस आधार किन दस्तावेज़ों पर देशराज यादव ने कार्यवाही की और पंचवटी सर्कल स्थित सहकारिता की ज़मीन पर बनी दुकानें सील कीं?
- किस आधार पर सीमा अग्रवाल की फ़र्ज़ी व अतिक्रमण की गई दुकान की सील खोल दी गयी?
- सहकारिता की सरकारी ज़मीन पर सीमा अग्रवाल के नाम दुकान की रजिस्ट्री किसने,क्यों और कैसे की?
- सेठी बारबिक्यु एंड रेस्टोरेंट की रजिस्ट्री किसने और किस अधिकार से की जबकि यह बन्नूवाल कमेटी की ज़मीन है?
- अन्नू पान वाले के ठीक विपरीत बन्नूवाल कमेटी की ज़मीन पर यू एंड मी का शोरूम सुप्रीम एल्युमिनियम के मालिक जितेंद्र गुलाटी को किसने व क्यों दिया और किस आधार पर जितेंद्र गुलाटी इसका 80-90 हज़ार किराया उठा रहा है?
- पंचवटी सर्किल पर स्थित सहकारी समिति के ऑफिस में किन किन सोसायटी के दस्तावेज मौजूद हैं?
- किस आधार पर सहकारिता की ज़मीन पर इन 5-6 दुकानों का निर्माण हुआ?
- किस आधार पर इन दुकानों को सील किया जा रहा था जबकि अतिक्रमण की कार्यवाही कर ध्वस्तीकरण किया जाना चाहिए था?
- किस आधार पर देशराज यादव सहायक रजिस्ट्रार या डिप्टी रजिस्ट्रार पंचवटी सर्कल पर स्थित सहकारिता की ज़मीन को पाना चाहता था?
- क्या वजह थी कि सरकारी आयुर्वेदिक डिस्पेंसरी को किराया जमा न करने पर डिस्पेंसरी हटाने का आदेश सहकारिता विभाग द्वारा दिया जा चुका था?
- ओम फाउंडेशन किस आधार पर सरकारी ज़मीन पर संचालित होता आ रहा है इसकी किरायनामों की वास्तविकता प्रमाणित करने वाले क्या दस्तावेज़ हैं?
- वात्सल्य पब्लिक स्कूल का संचालन सहकारिता की ज़मीन में कैसे व किस आधार पर निर्धारित हुआ है?
- कपड़ा प्रदर्शनी,टैंट व मैरिज हॉल के संचालक बनवारीलाल शर्मा व भूपेंद्र सिंह पप्पी से लीज के दस्तावेज़ तलब किये जायें तो ज्ञात होगा कि इस ज़मीन का वास्तविक वजूद क्या है?
- इन अतिक्रमण की गई सरकारी ज़मीनों पर संचालित सभी व्यवसायिक व सांस्थानिक गतिविधियों का सम्पूर्ण आय-व्यय का ब्यौरा लिया जाए तो कई बड़े चौंकाने वाले खुलासे होंगे।

पंचवटी सर्कल की सहकारिता विभाग व बन्नूवाल संस्था को अनुदान में मिली ज़मीनों से इन भूमाफ़ियाओं का क्या रिश्ता है,आइये जानते हैं- किराये पर संचालित सभी दुकानें फ़र्ज़ी स्टॉम्प पर किरायानामा बनाकर इन भूमाफ़ियाओं द्वारा दी गयी हैं जिसका लाखों रुपया किराया ये भूमाफ़िया कई वर्षों से उठा रहे हैं जो कि इस प्रकार है

	दुकान का नाम	भूमाफ़िया का नाम	दुकानों की संख्या
1.	सेठी बारबिक्यु ढाबा	नसीम पहलवान	(05 दुकान)
2.	पाली ढाबा	हरभजन सिंह उर्फ बबला	(02 दुकान)
3.	पाली ढाबा	देवेंद्र सिंह शंटी उर्फ पूर्व पार्षद	(01दुकान)
4.	पाली ढाबा	बलदेव सिंह पूर्व पार्षद	(01 दुकान)
5.	जेम प्रॉपर्टी व पाली ढाबा	भूपेंद्र सिंह उर्फ पप्पी	(01 दुकान)
6.	अमृतसरी कुलचे	रोबिन सिंह पूर्व चेयरमैन नगर निगम	(01 दुकान)
7.	अमृतसरी कुल्चा	तुलसी त्रिलोकानी	(01 दुकान)
8.	यू एंड मी सोया चाप	जितेंद्र गुलाटी	(01 शोरूम)
9.	सहकारिता विभाग की ज़मीन पर बनी एक अवैध दुकान में सिंह प्रॉपर्टी संचालित है जिसमें हरभजन सिंह उर्फ बबला, देवेंद्र सिंह उर्फ शंटी (पूर्व पार्षद), बलदेव सिंह (पूर्व पार्षद) व सुभाष महला पार्टनर हैं एवं एक दुकान में इंदिरा रसोई संचालित है।		
10.	सीमा अग्रवाल के नाम से फ़र्ज़ी रजिस्ट्री वाली दुकान में कुल्हड़ चाय का ढाबा संचालित है।		

गहलोत सरकार जवाब दें...

__राजस्थान__ में गहलोत सरकार बड़े-बड़े फ़ैसले लेकर जनता का दिल जीतने की कोशिश कर रही है लेकिन दूसरी ओर राज्य में बढ़ते सरकारी व निजी संपत्तियों पर अतिक्रमण और अवैध निर्माण में इसकी मौन मूक सहमति इसकी मिलीभगत को प्रमाणित कर रही है क्योंकि पार्टी के फंड का एक बड़ा भाग सरकारी सिस्टम के भ्रष्टाचार से भी अर्जित होता है।

बिल्डर और निर्माणकर्ता बिल्डिंग बायलॉज की सरेआम धज्जियाँ उड़ा रहे हैं। बिल्डर्स और भूमाफ़ियाओं की गैंग सरकारी संपत्ति डकार कर आये दिन सरकार के मुँह पर तमाचा जड़ रही है लेकिन सरकार की ओर से कोई भी कड़े क़ानून नहीं बनाए जा रहे और न ही कोई कड़ी कार्यवाही इस हेतु की जा रही है।

नगर निगम मालवीय नगर जोन क्षेत्र में आने वाली इन सरकारी ज़मीनों पर भूमाफ़ियाओं द्वारा बाप बनकर बेचान और किराया वसूली करना सरकार व प्रशासन के मुँह पर लगातार पड़ने वाला तमाचा है।

उपरोक्त प्रश्नों का जवाब निम्न विभाग के प्रशासनिक अधिकारी व जनप्रतिनिधि के पास ही मिलेगा-

1.स्वायत्त शासन विभाग
2.सहकारिता विभाग
3.मेयर नगर निगम ग्रेटर जयपुर
4.आयुक्त नगर निगम ग्रेटर,जयपुर
4.निदेशक शिक्षा विभाग
5.उपायुक्त मालवीयनगर जोन नगर निगम ग्रेटर
6.क्षेत्रीय विधायक कालीचरण सर्राफ़
7.क्षेत्रीय वार्ड 149 पार्षद स्वाति परनामी
9.क्षेत्रीय थाना इंचार्ज

अगर ईडी,एसीबी या इनकमटैक्स ने इसमें संज्ञान ले लिया तो पंचवटी सर्कल शकुनि, दुर्योधन सहित सभी कौरवों से आज़ाद हो जाएगा।

इन सभी विभागों, अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों से सबंधित मामला हिलव्यू समाचार द्वारा लगातार प्रस्तुत किया जा रहा है ताकि विभागों की नींद उड़े और वे कार्यवाही करें लेकिन ख़बरों के प्रकाशन के बावजूद कोई कार्यवाही नहीं हुई अब तक। आखिर क्यूं?

सम्पादकीय

पूर्ण गरीबी उन्मूलन अभी महती चुनौती

भारत ने गरीबी उन्मूलन की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है, लेकिन आजादी के 76 साल में अभी भी देश से पूर्ण गरीबी उन्मूलन नहीं हो सका है। करीब 22 फीसदी लोग गरीब हैं। सरकार के लिए यह अभी भी महती चुनौती बनी हुई है। संयुक्त राष्ट्र की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में 2005-06 से 2019-2021 के दौरान सिर्फ 15 साल में 41.5 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) और ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में ऑक्सफोर्ड गरीबी और मानव विकास पहल (ओपीएचआई) द्वारा जारी वैश्विक बहुआयामी गरीबी सूचकांक (एमपीआई) के ताजा आंकड़ों से पता चलता है कि दुनिया की सबसे अधिक आबादी वाले देश (भारत) ने गरीबी उन्मूलन के मोर्चे पर काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। 2005-06 में भारत में लगभग 64.5 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी में थे। 2015-16 में यह संख्या घटकर लगभग 37 करोड़ पर और 2019-21 में 23 करोड़ पर आ गई। ग़रीबी उन्मूलन में सरकार की ओर से चलाई जा रही रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा), बीमा योजना, मुद्रा योजना, उज्ज्वला योजना, डीबीटी, पीएम आवास, वजीफा, जनधन, पीडीएस, सबको बिजली, सभी क्षेत्र में सड़क, स्वच्छ पेयजल, डिजिटलीकरण, 14 वर्ष तक के बच्चों को मुफ्त शिक्षा, आंगनवाड़ी, मिड डे मील, स्कूलों में बच्चों को नि.शुल्क पुस्तक, ड्रेस, राष्ट्रीय मातृत्व लाभ योजना, आयुष्मान भारत, किसान सम्मान निधि आदि योजनाओं की वजह से गरीबी कम करने में मदद मिली है। इन योजनाओं के चलते भारत में एक नियो मिडिल क्लास बन गया है। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के मुताबिक, भारत ने अप्रैल में 142.86 करोड़ लोगों के साथ जनसंख्या के मामले में चीन को पीछे छोड़ दिया है। सर्वाधिक जनसंख्या वाले देश होने के नाते भारत के लिए गरीबी कम करना व उस स्तर को बनाए रखना आसान लक्ष्य नहीं है। नीति आयोग के अनुसार भारत के ग्रामीण हिस्सों में रहने वाली कुल आबादी में से 25.7% गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन कर रही है, जबकि शहरी क्षेत्रों में स्थिति थोड़ी बेहतर है, 13.7% आबादी गरीबी रेखा से नीचे रहती है। आर्थिक विकास के लिए संयुक्त राष्ट्र विश्व शिखर सम्मेलन के अनुसार, भोजन, सुरक्षित पेयजल, स्वच्छता सुविधाओं, स्वास्थ्य, आश्रय, शिक्षा और सूचना सहित बुनियादी मानव आवश्यकताओं के गंभीर अभाव की स्थिति पूर्ण गरीबी है। अलघ समिति (1979), लकड़ावाला समिति (1993), तेंदुलकर समिति (2009) व रंगराजन समिति (2012) ने गरीबों की संख्या का आंकलन किया गया। हालांकि ये आंकलन विवाद में भी रहे। विश्व आर्थिक मंच द्वारा जारी एक रिपोर्ट के मुताबिक़ भारत 2030 तक ग़रीबी से मुक्त हो सकता है। हालांकि कारोना महामारी ने गरीबी उन्मूलन की रफ्तार को धीमा किया, इसके बावजूद भारत 2023 के अंत तक अत्यधिक गरीबी की श्रेणी से मुक्त हो सकता है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) वर्तमान में उपभोग व्यय नमूना सर्वेक्षण शुरू कर रहा है, जिसका उपयोग गरीबी स्तर को मापने के लिए किया जाता है। सर्वेक्षण जुलाई 2023 तक जारी रहेगा और प्रारंभिक परिणाम वर्ष के अंत तक आने की उम्मीद है। इस सर्वे से गरीबी का आधिकारिक आंकड़ा सामने आ जाएगा। अमृतकाल में विकसित भारत बनने के लिए जरूरी है कि देश गरीबी से पूरी तरह मुक्त हो, इसके लिए ग़रीबी के राजनीतिकरण को रोकना होगा, स्किल बेस्ड शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण की व्यवस्था करनी होगी और सभी सरकारी योजनाओं को मर्ज करके रोजगार सृजन योजना का क्रियान्वयन करना होगा।

पीएम की यात्रा

आर.के. सिन्हा

भारत के लिए इसलिए ख़ास फ्रांस

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 14 जुलाई को फ्रांस की यात्रा पर जा रहे हैं। वे वहां पर बैस्टिल डे परेड में सम्मानित अतिथि के रूप में शामिल होंगे। मोदी की यात्रा के दौरान दोनों देश महत्वपूर्ण रक्षा और व्यापारिक समझौते पर मुहर लगाएंगे। दोनों देशों के संबंधों के इतिहास पर नजर डालें तो ये सदियों पुराने हैं। मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों व्यापार और अर्थशास्त्र से लेकर ऊर्जा सुरक्षा, आतंकवाद विरोधी, रक्षा और सुरक्षा सहयोग और भारत-प्रशांत में सहयोग जैसे मुद्दों पर भी चर्चा करेंगे। यह भी लग रहा है कि फ्रांस ने पश्चिमी दुनिया में भारत के भरोसेमंद दोस्त और साझेदार के रूप में रूस की जगह ले ली है।

भारत- फ्रांस के बीच घनिष्ठ संबंधों की इबारत को नए सिरे से लिखने के इरादे से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13 जुलाई से दो दिन की फ्रांस की यात्रा पर जा रहे हैं। वे वहां पर बैस्टिल डे परेड में सम्मानित अतिथि के रूप में शामिल होंगे। मोदी की यात्रा के दौरान दोनों देश महत्वपूर्ण रक्षा और व्यापारिक समझौते पर मुहर लगाएंगे। भारतीय नौसेना के लिए फ्रांस के साथ 26 राफेल एम (मरीन) लड़ाकू विमानों का सौदा होने की उम्मीद है। भारत, फ्रांस और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने 8 जून को ओमान की खाड़ी में अपना पहला त्रिपक्षीय समुद्री अभ्यास सफलतापूर्वक संपन्न किया। इसमें आईएनएस तरकश, फ्रांसीसी जहाज सुरकौफ, फ्रेंच राफेल विमान और यूएई नौसेना समुद्री गश्ती विमान की भागीदारी थी। इस अभ्यास में सतही युद्ध जैसे नौसेना संचालन का एक व्यापक स्पेक्ट्रम देखा गया था, जिसमें सतह के लक्ष्यों पर मिसाइल से सामरिक गोलीबारी और अभ्यास, हेलीकाप्टर क्रॉस डेक लैंडिंग संचालन, उन्नत वायु रक्षा अभ्यास और बोर्डिंग संचालन शामिल थे। मोदी की यात्रा से ठीक पहले इस तरह के अभ्यास का उद्देश्य तीनों नौसेनाओं के बीच त्रिपक्षीय सहयोग को बढ़ाना और समुद्री वातावरण में पारंपरिक और गैर-पारंपरिक खतरों को दूर करने के उपायों को अपनाने का मार्ग प्रशस्त करना था।

इस बीच, यह भी महत्वपूर्ण है कि भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी के इस साल 25 वर्ष पूरे हो रहे हैं। आपको याद होगा कि प्रधानमंत्री मोदी ने सन 2016 में भारत की विदेश नीति बड़ा बदलाव तब किया था जब उन्होंने फ्रांस के तत्कालीन राष्ट्रपति फ्रांसिस ओलांद की दिल्ली की जगह चंडीगढ़ में अगवानी की थी। मोदी से पहले के प्रधानमंत्रियों के दौर में विदेशों से भारत आने वाले राष्ट्राध्यक्ष और प्रधानमंत्री दिल्ली आते थे और उन्हें ज्यादा से ज्यादा आगरा में ताजमहल घुमा दिया जाता था। अब इन महत्वपूर्ण स्थानों में अहमदाबाद, बनारस, चंडीगढ़, बेंगलुरु और तमिलनाडु के मंदिर भी शामिल हो गए हैं और भी कुछ शहर इस नीति का आने वाले वक्त में हिस्सा बनेंगे। फ्रांस के राष्ट्रपति फ्रांसिस ओलांद उस साल गणतंत्र दिवस समारोह के मुख्य अतिथि थे। ओलांद और मोदी के बीच चंडीगढ़ में विस्तार से गुफ्तगू हुई। फ्रांस के राष्ट्रपति का भारतीय दौरा चंडीगढ़ से शुरू करने के पीछे एक वजह थी। दरअसल चंडीगढ़ के डिजाइनर लॉ कार्ब्युजियर फ्रांस के ही नागरिक थे। यहां पर ली कार्ब्युजियर के सहयोगी प्रो.जे.के.चौधरी की चर्चा करना भी समीचीन होगा। प्रो.जे.के.चौधरी ने ली कार्ब्युजियर के साथ काम करके बहुत कुछ सीखा था। दोनों भारत तथा फ्रांस के आर्किटेक्चर पर लंबी चर्चाएं भी करते थे। प्रो. चौधरी ने आईआईटी दिल्ली को डिजाइन किया था। इनमें क्लास रूम, छात्रावास, हॉल, प्रयोगशालाएं,फैक्ल्टी के फ्लैट, कर्मियों के फ्लैट वगैरह शामिल थे। उनके सामने वास्तव में बड़ी चुनौती थी कि वे इतने विशाल कैंपस में इतनी अलग-अलग उपयोग में आने वाली इमारतों के डिजाइन तैयार करें। इसमें कोई शक नहीं है कि प्रो. चौधरी को फ्रांस के महान आर्किटेक्ट

के साथ काम करने के बाद बड़े प्रोजेक्ट पर काम करने का ठोस अनुभव प्राप्त हुआ। दरअसल आईआईटी से पहले दिल्ली में कोई इतना बड़ा शिक्षण संस्थान का कैंपस बना भी नहीं था, पर चंडीगढ़ के निर्माण के बाद उनके पास अनुभव पर्याप्त हो गया था।

फ्रांस के राष्ट्रपति ओलांद की उसी यात्रा के समय फ्रांस ने भारत को 33 राफेल लड़ाकू विमान देने का वादा किया था। राफेल की जद में पूरा पाकिस्तान आ जाता है जिससे हमें पाकिस्तान पर काफी बढ़त मिल जाती है। भारत को राफेल विमान मिलने भी लगे हैं। अगर दोनों देशों के संबंधों के इतिहास पर नजर डालें तो ये सदियों पुराने हैं। 17वीं शताब्दी से 1954 तक, फ्रांस ने भारत के पुडुचेरी में अपनी औपनिवेशिक उपस्थिति बनाए रखी थी। वहां पर अब भी फ्रांस की संस्कृति और इमारतों पर फ्रांस की वास्तुकला को देखा जा सकता है।

बेशक, 1998 में रणनीतिक साझेदारी की स्थापना के साथ, राष्ट्राध्यक्षों/सरकारी प्रमुखों के स्तर पर नियमित उच्च-स्तरीय आदान-प्रदान और रक्षा, परमाणु जैसे रणनीतिक क्षेत्रों सहित बढ़ते वाणिज्यिक आदान-प्रदान के माध्यम से द्विपक्षीय सहयोग के सभी क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। फिर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आगामी फ्रांस यात्रा पर लौटते हैं। ये भारतीय प्रधानमंत्री की तीसरी फ्रांस की यात्रा है। मान कर चलिए कि मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों व्यापार और अर्थशास्त्र से लेकर ऊर्जा सुरक्षा, आतंकवाद विरोधी, रक्षा और सुरक्षा सहयोग और भारत-प्रशांत में सहयोग जैसे मुद्दों पर भी चर्चा करेंगे। यह भी लग रहा है कि फ्रांस ने पश्चिमी दुनिया में भारत के भरोसेमंद दोस्त और साझेदार के रूप में रूस की जगह ले ली है। भारत ने फ्रांस का तब से विशेष आदर करना शुरू कर दिया है, जब फ्रांस ने संयुक्त राष्ट्र में चीन द्वारा कश्मीर पर बुलाई गई बैठक में भारत के रुख का समर्थन किया था। फ्रांसीसियों ने पहले भी वैश्विक आतंकवादी मसूद अज़हर पर संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव का समर्थन किया था। पुलवामा हमले के बाद भारत ने कूटनीति के मोर्चे पर पाकिस्तान को पूरी तरह से अलग- थलग कर दिया था। इसी के कारण पुलवामा हमले की जिम्मेदारी लेने वाले आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के चीफ मसूद अजहर पर प्रतिबंध लगाने के लिए संयुक्त राष्ट्र की सुरक्षा परिषद में अमेरिका, फ्रांस और ब्रिटेन ने प्रस्ताव पेश किया था। फ्रांस, अमेरिका और ब्रिटेन ने अपने प्रस्ताव में मसूद की वैश्विक यात्राओं पर प्रतिबंध लगाने और उसकी सभी संपत्ति फ्रीज करने की मांग भी की। यह सब यूं ही नहीं हो गया। आज मोदी ने विश्व को अपनी नेतृत्व क्षमता का मुरीद बना दिया है।

यह किसे नहीं पता कि भारत अजहर मसूद को अपना दुश्मन नंबर एक मानता है। पंजाब के पठानकोट के एयरफोर्स बेस पर हुए हमलों में जैश-ए-मोहम्मद के नेता अजहर मसूद का हाथ था। जैश भारत को क्षति पहुंचाने की हर मुमकिन कोशिश करता है। जैश को ताकत पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई से ही मिलती है। आईएसआई पाकिस्तानी सेना का अहम अंग है। वह पाकिस्तानी सेना के इशारों पर ही काम करती है। भारत-फ्रांस को आपसी संबंधों को मजबूती देते हुए दुनिया से आतंकवाद और अजहर मसूद जैसे मानवता के दुश्मनों को खत्म करना ही होगा। वैसे तो फ्रांस के हालिया सांप्रदायिक हिंसा उसका आंतरिक मामला है, जिस पर सामान्यतः चर्चा नहीं होती, लेकिन चूंकि, भारत पिछले 1946 से ही ऐसी सांप्रदायिक हिंसाओं का भुक्तिभोगी रहा है और अब तक उनको असरदार ढंग से नियंत्रित भी करता रहा है, फ्रांस इस मामले में भी भारत की अनौपचारिक सलाह ले सकता है।

(लेखक पूर्व सांसद हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया edit@haribhoomi.com पर दे सकते हैं।

रिकार्डतोड़ वर्षा

विवेक शुक्ला

जी-20 सम्मेलन से पहले राजधानी पानी-पानी

जिस दिल्ली में दो महीने के बाद सितंबर में जी-20 देशों के राष्ट्राध्यक्ष, प्रधानमंत्री और तमाम दूसरे गणमान्य हस्तियां पधारने वाली हैं वो दिल्ली दो दिन की भारी बारिश से पानी-पानी हो गई। राजधानी का जीवन पंगु हो गया। स्कूल बंद कर दिए गए। पानी मंत्रियों के घरों तक में घुस गया। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल कह रहे हैं कि बारिश मूसलाधार थी और इसलिए हालत काबू से बाहर हो गई। एक तरह से वे मान रहे हैं कि वे जिस दिल्ली पर लगभग आठ सालों से राज कर रहे हैं वह भारी बारिश में पंगु हो गई। कुल मिलाकर कह सकते हैं कि हमारे शहरों का सही से प्रबंधन नहीं हो रहा। दो दिनों की बारिश ने सैकड़ों स्थानों पर सड़कों में गड्ढों कर दिए और ना जाने कितनी जगहों पर सीवर जाम हो गए। गौर करें ये स्थिति दिल्ली में ही नहीं हुई। हमने मुंबई, बेंगलुरू, चेन्नई और गुरुग्राम जैसे हाईटेक शहरों को भी बारिश में डूबते हुए देखा है। दरअसल देश के इन सर्वाधिक खास शहरों की तस्वीर बहुत कुछ बयां करती है। पर ये कोई पहली बार नहीं हो रहा था। ये स्थिति बार-बार होती है, योजनाएं बनती हैं ताकि बारिश के बाद होने वाली अव्यवस्था की पुनरावृत्ति ना हो, पर योजनाएं फाइलों में गुम हो जाती हैं। शहरी भारत अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। देश का लगभग सारा सेवा क्षेत्र (सर्विस सेक्टर) शहरों में ही सिमटा है। जनगणना के आंकड़ों को माने तो देश की 35 फीसदी तक आबादी शहरों में रहती है। इन शहरों में रोजगार के अवसर हैं, पर नीति निर्धारकों के फोकस से कहीं दूर बसते हैं शहर। ये भी समझ नहीं आता कि दिल्ली, मुंबई, बैंगलुरू वगैरह या बाकी शहरों के निगम अपने-अपने शहरों को बेहतर बनाने के स्तर पर क्यों फेल हो रहे हैं। इसके कारण तलाशना कोई बहुत कठिन नहीं होना चाहिए। इनमें हर स्तर पर भ्रष्टाचार फैला है। अजीब विडबंना है कि एक तरफ दिल्ली में तगड़ी बारिश हुई तो दूसरी ओर इसके लाखों नागरिकों को पीने का साफ पानी तक उपलब्ध नहीं होता। राजधानी में पानी से जुड़े सारे मामलों को दिल्ली जल बोर्ड देखता है। ये एकमात्र विभाग है, जो मुख्यमंत्री केजरीवाल देखते रहे हैं। दिल्ली जल बोर्ड का ही सर्वाधिक हाल बेहाल है। ये समझने की जरूरत है कि दिल्ली का मतलब सिर्फ हरे-भरे पेड़ों से लबरेज नई दिल्ली का लुटियन जोन ही नहीं है। राजधानी का मतलब दक्षिण दिल्ली, उत्तर दिल्ली, पश्चिम दिल्ली या यमुना पार की सभ्रांत आवासीय कॉलोनियां भी नहीं है। दिल्ली के लाखों नागरिक उन अनधिकृत कॉलोनियों, झुग्गियों में भी जीवन यापन करने के लिए अभिशप्त हैं,जहां पर पानी मयस्सर नहीं है। हम देखते रहे हैं कि बारिश के कारण सड़कों पर जल भराव के कारण कई लोग उनमें गिरने के कारण मारे गए। मायानगरी मुंबई लगातार बारिश के कहर से सहमती रही हैं, वहीं दिल्ली एक बार की बारिश से पानी-पानी हो गई। ये हाल है दिल्ली का। उधर मुंबई में भी पेयजल संकट गहराता जा रहा है। वहां पानी कटौती से नाराज नागरिक मोर्चा निकालते रहते हैं। मुंबई से सटे ठाणे और उल्लासनगर, भिंवड़ी में भीजल संकट दिनों-दिन बढ़ रहा है। कुल मिलाकर स्थिति निराश करती है। हमने हाल के दौर में आईटी राजधानी बेंगलुरू और तमिलनाडू की राजधानी चेन्नई में भी बारिश से हुई तबाही को देखा था। हम आपातकालीन स्थितियों का सही से सामना करने में असमर्थ हैं। केन्द्र और राज्य सरकार सरकारों को शहरों को मरने से बचाना होगा। इनसे ही देशों को हर साल मोटा आयकर प्राप्त होता है। शहरों की घटती हरियाली को बचाना होगा। विकास योजनाओं की आड़ में पेड़ कटने बंद करने होंगे। मुंबई और बेंगलुरू में भी स्थानीय नागरिक हाल के दौर में सड़कों में आए ताकि उनके शहरों के पेड़ बच सकें। उनके आंदोलन का सकारात्मक असर हुआ। संबंधित सरकारी विभाग झुके। उन्होंने अपनी भावी योजनाओं में संशोधन किए। वहां के नागरिकों के इसका विरोध करने पर उसको भरोसा देना पड़ा कि मुंबई मेट्रो पेड़ों को काटते वक्त सावधानी बरतेगी। दिल्ली, मुंबई या बाकी शहर तब ही रहने लायक रहेंगे, जब इनमें रहने वाले इनके प्रति अपनत्व का भाव रखेंगे। वे अपने जन प्रतिनिधियों से बार-बार सवाल पूछेंगे कि वे अपने दायित्वों को निर्वाह करने में गंभीर क्यों नहीं हैं? इसके अलावा जन प्रतिनिधि भी अपने दायित्वों को लेकर सजग होंगे। अगर ये ना हुआ तो हमारे शहर डूबते रहेंगे।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

असंयम लक्ष्य विमुख कर देता हैं

संकलित

दर्शन

भगवान श्रीराम हर पल आत्मस्थिति में रहे। वे तनिक भी असंयमित नहीं हुए। असंयम लक्ष्य विमुख कर देता है। जब हम किसी से प्रतिस्पर्धा का भाव रखते हैं, तब उस व्यक्ति के गुण और उसके कार्यों को हम किसी और ढंग से देखते हैं। उसी व्यक्ति से जब हमारा राग होता है, तो हम उसके हर कार्य में श्रेष्ठता ही देखते हैं। द्वेष होने पर हम न्यूनता और दोषों को ही खोजते हैं। आसक्ति होने पर उसके प्रति हम अपना सर्वस्व न्योछावर करने में भी तनिक संकोच नहीं करते हैं। हमारी यह इंद्रधनुषीय दृष्टि और वृत्ति जब किसी पद और अधिकार प्राप्त व्यक्ति के साथ जुड़ जाती हैं, तब वह व्यक्ति विकार को और भी विकृत कर उसे व्यापक बना देता है, तब उस मनःस्थिति में निर्णय देने, सामाजिक व्यवहार करने में वह अपने अधिकारों का दुरुपयोग करता हुआ स्वयं और समाज को गर्त में डाल देता है। गुरु वशिष्ठ ने श्रीभरत के अंदर तब इस त्रिपुटी की प्रधानता स्वीकारी, जब श्रीभरत भगवान की पादुकाओं को अपने सिर पर लेकर आए और गुरुदेव वशिष्ठ से पूछा कि यदि आपका मंगलाशासन हो तो मैं पादुका रूप प्रभु को नंदीग्राम जाकर सिंहासनासीन कर वहीं से राज्य का कार्य संभाल लूंगा? तब गुरुदेव ने मानो भरत से यही कहा कि समुझव (समझ) के रूप में तुम्हारे अंदर विधायिका के गुण हैं, कहब (कथन) के रूप में न्यायपालिका के गुण हैं और करब (करनी) के रूप में कार्यपालिका के गुण हैं। भरत ऐसे भक्त हैं, जिन्होंने अपनी समझ, कथन, और करनी का योग भगवान के चरणों में अर्पित कर दिया।

अहंकार व्यक्ति के समस्याओं का कारण

संकलित

प्रेरणा

एक बार नारद मुनि ने कामदेव को पराजित कर दिया तो इस बात का घमंड हो गया। इसके बाद नारद जी जहां जाते, वहां अपनी तारीफ करने लगते। ऐसे ही एक दिन वे शिव जी के पास पहुंच गए। नारद जी ने शिव जी के सामने अपनी प्रशंसा करना शुरू कर दी। शिव जी नारद मुनि की बनकर समझ गए कि इन्हें अहंकार हो गया है। शिव जी से विदा लेकर नारद मुनि विष्णु जी के पास पहुंच गए और विष्णु जी के सामने अपनी तारीफ करनी शुरू कर दी। विष्णु जी के सामने नारद मुनि ने अहंकार दिखाया तो विष्णु जी ने तय किया कि नारद जी भक्त हैं और इनका घमंड करना सही नहीं है। इसके बाद विष्णु जी ने अपनी माया रची। नारद मुनि विष्णु जी के यहां लौट रहे थे तो उन्हें रास्ते में एक सुंदर राज्य दिखा। वे उस राज्य में पहुंचे तो वहां देखा कि एक राजकुमारी का स्वयंवर हो रहा है। राजकुमारी बहुत सुंदर थी। उसे देखकर नारद ही मोहित हो गए और तुरंत ही विष्णु जी के पास पहुंच गए। नारद मुनि ने विष्णु जी से कहा कि आप मुझे सुंदर रूप दे दीजिए। ताकि मैं उस स्वयंवर राजकुमारी से विवाह कर सकूं। इसके बाद नारद मुनि उस स्वयंवर में पहुंच गए। विष्णु जी ने नारद मुनि को बंदर का मुख दे दिया था। स्वयंवर में नारद पहुंचे तो वहां बंदर जैसे मुख की वजह से उनका बहुत अपमान हुआ। गुस्से में नारद मुनि ने विष्णु जी को शाप दे दिया, लेकिन जब उनका मन शांत हुआ तो उन्हें पूरी बात समझ आ गई। जब नारद का घमंड टूटा तो उन्होंने भगवान से क्षमा मांगी।

अंतर्मन

आज की पाती

शिक्षा बजट में बढ़ोतरी करे केंद्र सरकार

खुशी की बात है कि मद्रास आईआईटी तंजानिया में अपना कैंपस खोलेगा। दिल्ली और खड़गपुर आईआईटी भी कतार में लगे हैं, लेकिन दुर्भाग्यवश हमारे देश का कोई भी शिक्षा संस्थान या विश्वविद्यालय दुनिया में 100वें स्थान तक भी पहुंचा नहीं है। ऐसा लगता है कि कुछ वर्षों से देश में शिक्षा को विशेष तवज्जो नहीं दी जा रही और शिक्षा बजट को बढ़ाने के बजाय कटौती की जा रही है जिसके फलस्वरूप शिक्षा के क्षेत्र में और फिसड्डी होने की संभावना बनती दिखाई दे रही है। केंद्र सरकार से अपेक्षा की जाती है कि वह शिक्षा बजट में बढ़ोतरी करे ताकि शिक्षा क्षेत्र में हम पीछे न रहें और देश के युवा वर्ग को उत्तम से उत्तम शिक्षा देने के दायित्व को निभा सके। - *विजय खेर, धमतरी*

ट्रेंड

सामूहिक प्रयास करें

उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा केवल उच्च गुणवत्ता वाले शिक्षण द्वारा ही सुनिश्चित की जा सकती है। यह तभी संभव है जब संस्थाएं सामूहिक प्रयास के माध्यम से एक-दूसरे का साथ दे और मार्गदर्शन करें।

-धर्मेन्द्र प्रधान, केंद्रीय मंत्री

जनता जवाब देगी

भाजपा ने अपनी 'वॉशिंग मशीन' का प्रयोग कर, महाराष्ट्र के स्वाभिमान को ठेस पहुंचाई है। कांग्रेस इस राजनीतिक जालसाजी का बराबर जवाब देगी। महाराष्ट्र की जनता भाजपा द्वारा किए जनादेश पर हमलों का कड़ा राजनीतिक उत्तर देगी।

-मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस अध्यक्ष

भविष्य अलग होने वाला

भारतीय खिलाड़ी दो चीजों के लिए प्रसिद्ध नहीं थे। अविश्वसनीय एथलेटिकिज्म, गति और चपलता। 'कभी मत कहो मरना', वापसी, लड़ने की भावना। धन्यवाद लक्ष्य सेन और नए भारत के कई अन्य खिलाड़ी। भविष्य अलग होने वाला है।

-आनंद महिंद्रा, उद्योगपति

बीजेपी पर सीधा हमला

केंद्र सरकार ने जीएसटी को ईडी और प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत अधिसूचना जारी की है। इन समर्थकों ने अपने व्यापार को स्थिर करने के लिए बीजेपी पर सीधा हमला बोला है। विशेषकर बागान मंडार में।

-आतिशी, आप नेता

करंट अफेयर

अमेरिका से भारत में ज्यादा सुरक्षित है अल्पसंख्यक

पूर्व उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने कहा कि धर्मनिरपेक्षता भारतीयों के खून में है और अमेरिका सहित कई अन्य देशों के मुकाबले भारत में अल्पसंख्यक कहीं ज्यादा सुरक्षित हैं। वेंकैया (74) ने 'नेशनल काउंसिल ऑफ एशियन इंडियन एसोसिएशन्स' द्वारा ग्रेटर वाशिंगटन डीसी इलाके में उनके सम्मान में आयोजित कार्यक्रम में भारतीय-अमेरिकियों की एक सभा को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा, '(भारत के खिलाफ) दुष्प्रचार किया जा रहा है। पश्चिमी मीडिया का एक तबका भी इसमें शामिल है। वह भारत और वहां अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर किए जा रहे दुष्प्रचार का हिस्सा बन गया। मैं इन लोगों को बताना चाहूंगा कि भारत में अल्पसंख्यक यहां (अमेरिका) के मुकाबले ज्यादा सुरक्षित हैं।' पूर्व उपराष्ट्रपति ने कहा, 'आप देखिए कि भारत में क्या हो रहा है और दूसरे देशों में क्या हो रहा है। लेकिन, आप जानते हैं कि भेदभाव (दूसरे देशों में) किया जा रहा है।' वेंकैया पिछले कुछ दिनों से अमेरिका में हैं। पिछले सप्ताहांत उन्होंने फिलाडेल्फिया में भारतीय-अमेरिकी चिकित्सकों की एक सभा को संबोधित किया था। पूर्व उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत अपने अल्पसंख्यकों का सम्मान करता है।

ऑफ बीट

शोर से बचने क्या ऑफिस में हेडफोन पहनना ठीक है

क्या ऑफिस में हेडफोन पहनना ठीक है? क्या वे काम पूरा करने में मदद करते हैं, या फिर उन्हें पहनना असभ्य और कार्यालय के माहौल को बिगाड़ने वाला माना जाता है। हमारे शोध में पाया गया कि ओपन-प्लान कार्यालय में शोर के अपेक्षाकृत मध्यम स्तर के कारण नकारात्मक मनोदशा में 25 प्रतिशत की वृद्धि हुई और शारीरिक तनाव में 34 प्रतिशत की वृद्धि हुई। कर्मचारियों को अधिक तनावग्रस्त और चिड़चिड़ा बनाने के अलावा, शोर-शराबे वाले ओपन-प्लान कार्यालय प्रदर्शन को कम करते हैं। अनुसंधान से पता चलता है कि शांति के माहौल में काम करने वाले कर्मचारी खुले योजना कार्यालयों के कर्मचारियों की तुलना में संज्ञानात्मक कार्य पर 14 प्रतिशत बेहतर प्रदर्शन करते हैं। जैसे ऑफिस का दरवाजा बंद करना पूरे दिन हेडफोन पहनने से यह संकेत मिलने की संभावना है कि कार्यालय का माहौल बहुत शोरगुल वाला या ध्यान भटकाने वाला है। यह इस बात का भी संकेत दे सकता है कि टीम में आपस की बातचीत नहीं है। चूंकि अधिकांश कर्मचारियों के पास अब अपने कार्यालय का दरवाजा बंद करने की सुविधा नहीं है, इसलिए हेडफ़ोन एक विकल्प के रूप में उभरे हैं।

एक नज़र

भरतपुर के जघीना हत्याकांड के बाद एक्शन में पुलिस

प्रदेश में हार्डकोर अपराधियों की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से होगी पेशी

हिलव्यू समाचार

जयपुर। जयपुर से भरतपुर कोर्ट में पेश करने के लिए हार्डकोर अपराधी को रोडवेज बस में ले जाने के मामले में पुलिस मुख्यालय से डीजीपी उमेश मिश्रा ने गुरुवार को उच्च स्तरीय जांच के लिए आईजी क्राइम प्रफुल्ल कुमार के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया है। डीजीपी मिश्रा ने बताया कि यह टीम सुरक्षा के संबंध में हुई लापरवाही, बंदियों को लाने के लिए तय नियमों की पालना करने के संबंध में जांच करेगी। अगर किसी अधिकारी की लापरवाही रही होगी तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। वहीं, प्रमुख शासन सचिव आनंद कुमार की अध्यक्षता में गुरुवार को सचिवालय में सेंट्रल जेल, जयपुर में निरुद्ध बंदी कुलदीप सिंह और विजयपाल को पुलिस अभिरक्षा में कोर्ट में पेशी के लिए भरतपुर भिजवाने के दौरान अमोली टोल प्लाजा पर फायरिंग की घटना को लेकर उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई।

इसमें निर्णय हुआ कि डीजी जेल विभाग और डीजीपी से समन्वय स्थापित कर जिला स्तर पर एक कमेटी गठित की जाएगी। यह कमेटी हार्डकोर बदमाशों, संगठित गिरोह और गंभीर धाराओं में बंद अपराधियों, जिन्हें पेशी पर ले जाने के दौरान जानलेवा हमला होने या फिर कानून व्यवस्था बिगड़ने की संभावना हो, उन्हें चिह्नित कर सूची तैयार करेगी। सुरक्षा कारणों की वजह से ऐसे अपराधियों की कोर्ट में पेशी हाई सिक्योरिटी जेल अजमेर की तर्ज पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से करवाई जाएगी। व्यक्तिगत पेशी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की सुविधा उपलब्ध नहीं होने या कोर्ट के आदेशों की पालना में ही होगी।

ACB के हत्थे चढ़े 4 घूसखोर

हिलव्यू समाचार

जयपुर। एसीबी टीम ने मंगलवार को सहकारी समितियां के उप रजिस्ट्रार एवं निरीक्षक को पांच लाख की घूस लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया। ब्यूरो के अतिरिक्त महानिदेशक हेमंत प्रियदर्शी ने बताया कि सहकारी समितियां (जयपुर) के उप रजिस्ट्रार देशराज यादव और निरीक्षक अरुण प्रताप सिंह को परिवादी से पांच लाख की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। इससे पहले भी परिवादी से आरोपी पांच लाख रुपए ले चुके थे। एक अन्य मामले में जालोर जिले करड़ा थानाधिकारी अमर सिंह एवं इसी थाने के हेड कांस्टेबल प्रतापाराम को एक मामले में डेढ़ लाख रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया है।

खेतड़ी ट्रस्ट को दिल्ली हाईकोर्ट से राहत

हिलव्यू समाचार

जयपुर। दिल्ली हाईकोर्ट ने राजधानी के चांदपोल बाजार स्थित खेतड़ी हाउस सहित करीब 2500 करोड़ की संपत्तियों के वसीयत विवाद में खेतड़ी ट्रस्ट को राहत देते हुए पूर्व राजा राय बहादुर सरदार सिंह की वसीयत को सही माना है। जस्टिस नाजमी वजीरी और जस्टिस विकास महाजन की खंडपीठ ने खेतडी ट्रस्ट के पक्ष में प्रोबेट जारी करने को कहा है। खंडपीठ ने एकलपीठ के 3 जुलाई, 2012 के पूर्व राजा की वसीयत पर संदेह करते हुए ट्रस्ट के पक्ष में प्रोबेट जारी करने से इनकार करने के आदेश को रद्द कर दिया है। इसके साथ ही कोर्ट ने राजस्थान एस्चीट्स रेगुलेशन एक्ट 1956 के तहत लिए कब्जे को भी गलत माना है।

जलदाय मंत्री महेश जोशी ने दिए बिना अनुमति ऑफिस नहीं छोड़ने के आदेश

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री डॉ. महेश जोशी ने पेयजल आपूर्ति से जुड़ी आमजन की शिकायतों का निस्तारण के लिए फील्ड अभियंता को अपने मोबाइल फोन 24 घंटे चालू रखने के निर्देश दिए हैं। मंत्री जोशी ने ये निर्देश मंगलवार को जयपुर शहर एवं जयपुर जिले की सभी प्रगतिरत पेयजल योजनाओं एवं प्रस्तावित कार्यों की समीक्षा बैठक में दिए हैं। उन्होनें कहा कि कोई भी अधिकारी बिना उच्चाधिकारियों की अनुमति मुख्यालय नहीं छोड़ेगा। उन्होंने सम्पर्क पोर्टल पर प्राप्त पानी से जुड़ी शिकायतों के त्वरित निस्तारण के भी निर्देश दिए और कहा कि अतिरिक्त मुख्य अभियंता एवं अधीक्षण अभियंता सम्पर्क पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की रेंडम चेकिंग भी सुनिश्चित करें।

पेंशन लाभार्थी संवाद समारोह में मुख्यमंत्री का ऐलान...

मिनिमम गारंटीड इनकम बिल लाएंगे इसी सत्र में

हिलव्यू समाचार

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि हर व्यक्ति को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना सरकार की जिम्मेदारी है। राज्य सरकार विभिन्न योजनाओं के माध्यम से प्रदेशवासियों को सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित कर रही है। मिनिमम गारंटीड इनकम बिल इस दिशा में राज्य सरकार का एक और महत्वपूर्ण कदम होगा। उन्होंने कहा कि कैबिनेट ने इस बिल को अपनी सहमति दे दी है और इसी विधानसभा सत्र में यह बिल लाया जाएगा।

मुख्यमंत्री निवास पर गुरुवार को सामाजिक सुरक्षा पेंशन लाभार्थी संवाद कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लाभार्थी जयपुर के रामलीला मैदान से वीसी के माध्यम से शामिल हुए। पेंशन लाभार्थियों ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन में की गई बढ़ोतरी एवं इसमें प्रतिवर्ष 15 प्रतिशत की वृद्धि करने के निर्णय पर मुख्यमंत्री गहलोत का आभार जताया।

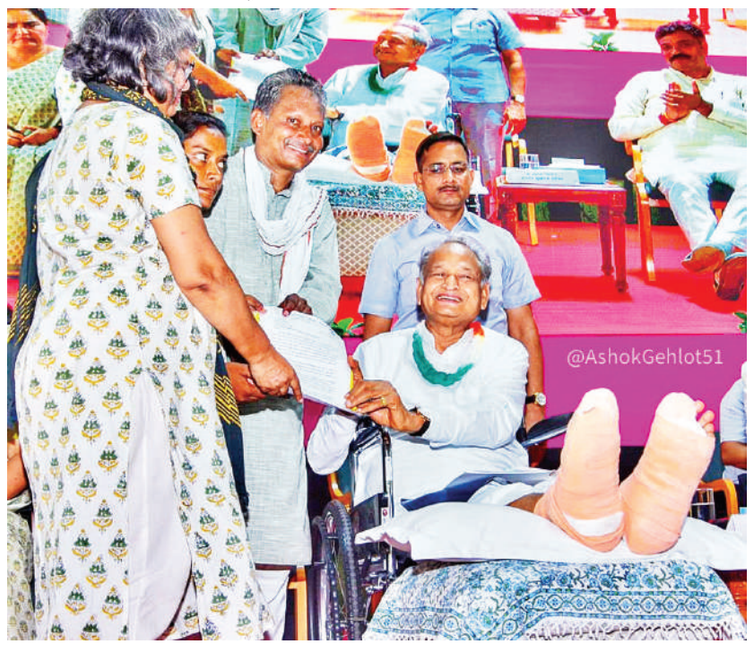

अतिरिक्त आयुक्त राजेन्द्र वर्मा ने दर्ज कराए बयान, अब पुलिस देगी महापौर समेत अन्य पार्षदों को नोटिस

जयपुर। भले ही मानसून की बारिश से चारों ओर सर्दी सा एहसास हो गया है, लेकिन हेरिटेज नगर निगम में सावन के महीने में भी गर्माहट ही बनी हुई है। महापौर और अतिरिक्त आयुक्त विवाद को लेकर एक बार फिर से सरगर्मियां तेज हो गई है। पुलिस में महापौर और पार्षदों के खिलाफ मामला दर्ज कराने वाले अतिरिक्त आयुक्त राजेन्द्र वर्मा अब आर-पार की लड़ाई के मूड में आ गए हैं। महापौर और पार्षदों पर राजकार्य में बाधा और एसटी एससी एक्ट में मामला दर्ज होने के बाद मामले में आगे बढ़ते हुए अतिरिक्त आयुक्त राजेन्द्र वर्मा ने पुलिस को अपने बयान दर्ज करा दिए हैं। उन्होंने जांच अधिकारी माणक चौक एसीपी हेमन्त जाखड़ के समक्ष घटना वाले दिन के साक्ष्य भी उपलब्ध कराए हैं और सम्पूर्ण घटनाक्रम की जानकारी भी दी है। अतिरिक्त आयुक्त के बयानों के बाद पुलिस मामले में आरोपी बनाई गईं महापौर मुनेश गुर्जर और अन्य पार्षदों को जल्द नोटिस जारी कराएगी। ऐसे में मामला सुलझने के बजाए और उलझता दिखाई दे रहा है और महापौर की कुर्सी पर संकट की आशंका बन रही है। मामले पर गौर करें तो हेरिटेज का मामला भी ग्रेटर जैसा ही बनता जा रहा है। वहां सरकार ने जांच होने तक महापौर को तत्काल निलंबित कर दिया था, लेकिन हेरिटेज में कोई निर्णय नहीं ले पाई है।

कार्रवाई में वर्मा आगे निकले: महापौर और अतिरिक्त आयुक्त के बीच हुए विवाद के बाद से ही दोनों ही पक्ष सरकार और जनता के सामने अपने आप को सही बताने में लग गए थे। राजेन्द्र वर्मा ने महापौर और पार्षदों पर बंधक बनाने और अभद्रता का आरोप लगाया तो महापौर और पार्षदों ने भी वर्मा पर पार्षदों के साथ अभद्रता करने और निगम में भ्रष्टाचार करने का आरोप लगाकर निलम्बित करने की मांग की थी। इस मांग को लेकर वे करीब 7 दिन तक धरने पर बैठे थे, लेकिन दोनों ही पक्षों में कार्रवाई के मामले में अतिरिक्त आयुक्त राजेन्द्र वर्मा आगे निकल गए।

कांग्रेस का मौन सत्याग्रह: मौन में अभिव्यक्त हुआ कांग्रेस की एकजुटता का संदेश

हिलव्यू समाचार

जयपुर। कांग्रेस ने राहुल गांधी के साथ एकजुटता प्रदर्शित करने के लिए बुधवार को यहां शहीद स्मारक पर एक दिवसीय प्रदेश स्तरीय 'मौन सत्याग्रह' किया।

इस दौरान प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा, प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट, पार्टी के राजस्थान सह प्रभारी वीरेंद्र राठौड़, अमृता धवन व काजी निजामुद्दीन और मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास, सुभाष गर्ग तथा शाले मोहम्मद सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे। रंधावा ने कहा कि भाजपा सरकार राहुल गांधी का संसद में तो बोलना बंद कर सकती है, पर उनके कार्यकर्ता, कांग्रेस के नेता और हिंदुस्तान के लोग कभी इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। रंधावा ने आगे कहा कि आपने देख लिया कि हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक विधानसभा चुनाव में राहुल की आवाज का दबाने का जवाब उन लोगों ने दे दिया, और जो आगे चुनाव आ रहे हैं, उनमें भी वही परिणाम मिलेगा जो इन दोनों राज्यों में मिला। संसद में भी हम जीत कर आएंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा हमारी आवाज को दबाना चाहती है, लेकिन हमारी आवाज कभी नहीं दबेगी और देश के लिए हमेशा उठती रहेगी।

मिल कर लड़ेंगे चुनाव: सचिन पायलट

मौन सत्याग्रह में पहुंचे सचिन पायलट ने कहा कि साजिश के तहत केंद्र सरकार द्वारा दबाव बनाया जा रहा है और राहुल गांधी निडरता से सदन में अपनी बात रखते हैं। वे कोई व्यक्ति विशेष की नहीं, पूरे देश की बात करते हैं। केंद्र को निष्पक्ष रूप से काम करना चाहिए, लेकिन केंद्रीय संस्थाओं को दुरुपयोग कर कमजोर किया जा रहा है जो कि लोकतंत्र के लिए शुभसंकेत नहीं हैं। राहुल गांधी ने हमेशा प्यार, मोहब्बत, एकजुटता की बातें कही है और अब जिस तरह उन्हें टारगेट किया गया वह किसी से छिपा हुआ नहीं है।

वहीं कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष डोटासरा ने कहा कि राहुल गांधी की आवाज दबाना देश की जनता बर्दाश्त नहीं करेगी। राहुल गांधी को बोलने से कोई नहीं रोक सकता है। उन्हें सुप्रीम कोर्ट से भी न्याय मिलेगा और जनता की अदालत में भी न्याय मिलेगा। डोटासरा ने कहा कि देश में जिस प्रकार का माहौल है, वह लोकतंत्र के लिए चिंताजनक है। लोकतांत्रिक मूल्यों का ह्रास हो रहा है। विपक्ष के नेताओं की आवाज दबाने के लिए संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग किया जा रहा है।

एक नज़र

लोकसभा अध्यक्ष ने किया पौधरोपण महा अभियान का शुभारंभ

लोगों को दिया प्रकृति संरक्षण का संदेश

कुलदीप गुप्ता

कोटा (हिलव्यू समाचार)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की प्रेरणा से बुधवार को कोटावासियों ने शहर को हराभरा बनाने का भगीरथी संकल्प लिया। स्पीकर बिरला की पहल पर चलाए जा रहे पौधरोपण महाअभियान के शुभारंभ के अवसर पर आंवली-रोजड़ी स्थित नगर वन में सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, प्रबुद्धजन और आमजन जुटे और पौधे रोपकर प्रकृति के संरक्षण का संदेश दिया। लोकसभा अध्यक्ष बिरला ने कहा कि प्रकृति संरक्षण समय की आवश्यकता है। जलवायु परिवर्तन की गंभीर चुनौती का स्थाई समाधान धरती को हरा-भरा बनाकर ही संभव है। हम सभी एक पौधा अवश्य लगाएं, परिवार के सदस्य के रूप में उसे सहेजें और वृक्ष बनने तक संरक्षण करें। बिरला ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हमें प्रकृति अनुकूल जीवन अपनाने का संदेश दिया है। हमारे विचार, चिंतन और कर्म में पर्यावरण संरक्षण का भाव होना चाहिए। हम प्लास्टिक तथा ऐसी सभी वस्तुओं का उपयोग नहीं करें जो प्रकृति को नुकसान पहुंचाती है। हम ऐसी कार्यशैली अपनाएं जो हमें प्रकृति को सहेजने में सहयोग करते हुए उन्नति के पथ पर ले जाए। बिरला ने कहा कि हम जिस तरह बच्चों को कम्प्यूटर और नई तकनीक सीखने के लिए प्रेरित करते हैं, उसी तरह उन्हें पौधा लगाने और उनके संरक्षण के लिए भी प्रोत्साहित करें। नगर वन में पौधारोपण को लेकर लोगों में काफी उत्साह नजर आया। पूर्व विधायक हीरालाल नागर, पूर्व महापौर महेश विजय, भाजपा जिलाध्यक्ष कृष्णकुमार सोनी रामबाबू सोनी, नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष विवेक राजवंशी और लव शर्मा, पार्षद योगेंद्र खींची, मेडिकल कॉलेज प्राचार्य डॉ. संगीता सक्सेना, वन अधिकारी सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

लोकसभा अध्यक्ष का किया स्वागत

डेयरी अध्यक्ष चैनसिंह राठौड़ ने बताया कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के काफिले का स्वागत रावतभाटा रोड पर किया गया। डेयरी मार्ग पर चार स्वागत गेट व मंच बनाए गए। राठौड़ ने बताया कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के पहुचते ही कार्यकर्ताओं ने जिंदाबाद के नारे लगाए। अध्यक्ष चैन सिंह राठौड़,मार्केटिंग अध्यक्ष निहाल सिंह, भूमि विकास बैंक उपाध्यक्ष भंवर सिंह हाडा व सरस डेयरी एमडी प्रमोद चारण ने लोकसभा अध्यक्ष का माला पहनाकर स्वागत किया। बिरला ने भी नवनिर्वाचित भूमि विकास बैंक के अध्यक्ष चैन सिंह राठौड़ को शुभकामनाएं दी और स्वागतकर्ताओं का आभार प्रकट किया। इसके उपरान्त मार्केटिंग अध्यक्ष निहाल सिंह के नेतृत्व में दौलतगंज वन क्षेत्र में लोकसभा अध्यक्ष का स्वागत किया गया।

वृक्ष हमें प्राण देते हैं, उनका उपकार मानें

विधायक मदन दिलावर ने कहा कि वृक्षों से हमें ऑक्सीजन मिलती है, वर्षा होती है, औषधियां मिलती हैं। वृक्ष हमें सिर्फ देते हैं, फिर भी हम इनकी चिंता नहीं करते, यह गलत है। हमें वृक्षों का उपकार मानकर उन्हें सहेजने की संस्कृति अपनानी होगी। वहीं कोटा दक्षिण विधायक संदीप शर्मा ने कहा कि पर्यावरण दूषित होने से दुनिया को अनेक प्रकार की आपदाओं का सामना करना पड़ रहा है। भावी पीढ़ियों के लिए हमें पर्यावरण को सहेजना होगा।

मुख्यमंत्री की प्रदेशवासियों को सौगात

प्रदेश के जनजाति क्षेत्रों में खोले जाएंगे सात आवासीय विद्यालय: सीएम गहलोत

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राज्य सरकार हर वर्ग, जाति को राहत पहुंचाने में जुटी हुई। इसी को लेकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत लगातार प्रदेश में बुजुर्ग, युवा और महिलाओं सहित सभी के लिए नई-नई सौगात लेकर आ रहे हैं। हर वर्ग को राहत देने की कड़ी में बुधवार को सीएम गहलोत ने जनजाति क्षेत्र क्षेत्रों में 7 आवासीय स्कूल खोलने की घोषणा की, वहीं निरोगी राजस्थान की संकल्पना को साकार करते हुए राज्य सरकार ने नागौर जिले की पंचायत समिति कुचामन सिटी के पालड़ी उप स्वास्थ्य केंद्र को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में क्रमोन्नत करने के आदेश जारी किया।

चिरंजीवी योजना: सपना होगा साकार

निरोगी राजस्थान की संकल्पना को साकार करने के लिए राज्य सरकार चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं को निरंतर बेहतर बना रही हैं। इसी को लेकर राज्य सरकार ने नागौर जिले की पंचायत समिति कुचामन सिटी के पालड़ी उप स्वास्थ्य केंद्र को अब प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में क्रमोन्नत करने का फैसला लिया हैं। मुख्यमंत्री गहलोत ने इस संबंध में प्रस्ताव को मंजूरी दे दी हैं। केंद्र के संचालन के लिए 9 पदों का सृजन भी किया जाएगा। नवीन पदों में चिकित्साधिकारी का एक, नर्स श्रेणी-द्वितीय, वार्ड बॉय के दो-दो,महिला स्वास्थ्य दर्शिका, फार्मासिस्ट, लैब टैक्नीशियन, सफाई कर्मचारी के एक-एक पद सहित कुल 9 पद शामिल हैं। गहलोत ने भीलवाड़ा शहर के उपनगर पुर स्थित शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (सिटी डिस्पेंसरी)को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में क्रमोन्नत करने की स्वीकृति दी है।

- **इन स्थानों पर खुलेंगे:** आवासीय विद्यालय यह आवासीय विद्यालय पाली के सुमेरपुर, सवाई माधोपुर, भेड़ोली-बौली (सवाई माधोपुर), अजमेर के केकड़ी स्थित गिरवरा, जालोर, डूंगरपुर के चिखली, टोंक के देवली स्थित श्रीपुरा में खोले जाएंगे। इनकी क्षमता 210 होगी।
- **35 करोड़ की वित्तीय मंजूरी:** जनजाति क्षेत्र के विद्यार्थियों को अब नजदीक ही आवासीय विद्यालयों में पढ़ने के अवसर मिल सकेंगे। राज्य सरकार ने जनजाति क्षेत्रों के शैक्षिक उत्थान के लिए 7 आवासीय विद्यालय खोलने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इन आवासीय विद्यालयों के भवन निर्माण के लिए 35 करोड़ रुपए की वित्तीय मंजूरी दी है। इस वर्ष प्रथम चरण में प्रति विद्यालय 5 करोड़ रुपए सरकार खर्च करेगी। वहीं दूसरे साल में इनके निर्माण कार्य पर 71 करोड़ रुपए व्यय होंगे।
- **राष्ट्रीय राजमार्ग से जुड़ेगा बूंदी मेडिकल कॉलेज:** बूंदी मेडिकल कॉलेज परिसर को राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 52 से जोड़ा जाएगा। इसके लिए 1 किमी एप्रोच रोड का निर्माण किया जाएगा। इस सड़क निर्माण के लिए गहलोत ने 3.67 करोड़ के वित्तीय प्रावधान को स्वीकृति दी है। इससे मेडिकल कॉलेज के विद्यार्थियों, कार्मिकों और मरीजों को आवागमन में आसानी होगी।

भरतपुर: भाजपा नेता कृपाल जघीना हत्याकांड के मुख्य आरोपी की हत्या

पुलिस कस्टडी में कुलदीप को गोलियों से भूना, तीन घायल

हिलव्यू समाचार

जयपुर। प्रदेश के भरतपुर में दिनदहाड़े हुए गोलीकांड ने राज्य में एक बार फिर दहशत फैला दी। घटना भतरपुर जिले के हलेना थाना क्षेत्र के आमोली टोल प्लाजा पर हुई। जहां हमलावरों ने बुधवार दोपहर बाद भाजपा नेता कृपाल जघीना हत्याकांड के मुख्य आरोपी कुलदीप जघीना की पुलिस कस्टडी में रोडवेज बस में घुसकर गोलियों से भूनकर हत्या कर दी। हमलावरों ने पुलिस वालों की आंख में मिर्ची झोंक कर उन्हें संभलने का मौका ही नहीं दिया। कुलदीप के साथ ही पुलिस अन्य अभियुक्त विजयपाल को भी पेशी पर ले जा रही थी। तभी कार में आए करीब एक दर्जन बदमाशों ने कुलदीप और उसके साथी विजयपाल ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी।

भरतपुर जिला एसपी मृदुल कच्छावा ने जख्मी हुए दूसरे बदमाश विजयपाल की हालत स्थिर बताई है। उसे जयपुर में इलाज के लिए भर्ती करवाया गया है। वहीं, फायरिंग के दौरान बस में 45 से अधिक यात्री थे, जिनमें से एक अन्य युवक व महिला भी घायल हो गए।

कुलदीप जघीना

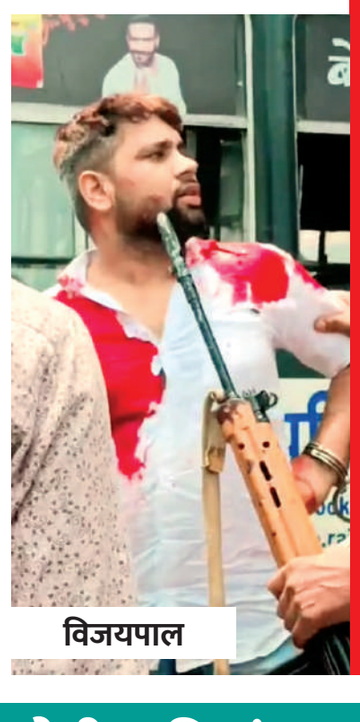

विजयपाल

3 महीने में 12वीं बार बस से ले जा रही थी पुलिस

कुलदीप व विजयपाल को जयपुर पुलिस पिछले तीन माह में 12वीं बार रोडवेज बस में भरतपुर ले जा रही थी। माना जा रहा है कि बदमाशों को इस बात का पता था और उन्होंने रेकी करके वारदात को अंजाम दिया। एडिशनल कमिश्नर यातायात-प्रशासन राहुल प्रकाश जयपुर ने बताया कि जयपुर पुलिस लाइन में जेल से मिले वारंट में बदमाशों को लेकर हार्डकोर या हिस्ट्रीशीटर नहीं लिखा हुआ था। इसलिए हर बार की तरह एक हेड कांस्टेबल सहित 6 गार्ड की टीम भेजी गई थी। बता दें, इस माह में यह इनकी तीसरी पेशी थी। इससे पूर्व जून में 6 पेशी हुई थी।

हमलावरों से हुई सूपा गांव में मुठभेड़

घटना की सूचना पर पुलिस तुरंत एक्टिव हो गई और पूरे प्रदेश में नाकाबंदी करवाई गई। बताया जा रहा है कि पुलिस ने बदमाशों का पीछा किया और बयाना के सूपा गांव में पुलिस व बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई। इसमें दो बदमाशों के पैर में गोली लगी। डीजीपी उमेश मिश्रा ने बताया कि घटना गंभीर है। अभी बाकी बदमाशों को पकड़ने पर फोकस हैं। एसपी कच्छावा ने बताया कि बदमाश कार व बाइक पर सवार होकर आए थे। उन्होंने गाड़ी बस के आगे लगा दी थी। घटना में किसी भी पुलिसकर्मी को गोली नहीं लगी है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान कर ली गई है। चार आरोपी विष्णु, सौरभ, धर्मराज और बबलू को पकड़ा गया। गोलियों की आवाज से दहशत फैल गई और भगदड़ मच गई।

पुलिस-जेडीए की संयुक्त कार्रवाई, सरकारी भूमि से अतिक्रमण ध्वस्त

हिस्ट्रीशीटर राहुल मीणा के रेस्टोरेंट पर किया 'वज्र प्रहार'

हिलव्यू समाचार

जयपुर। पुलिस आयुक्तालय के ऑपरेशन वज्र प्रहार अभियान के तहत जयपुर विकास प्राधिकरण ने बुधवार को सरकारी जमीन पर किए अतिक्रमण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। भट्टा बस्ती इलाके में जेडीए के जोन-2 में किशनबाग स्थित जेडीए की बेशकीमती सरकारी भूमि पर हिस्ट्रीशीटर व हार्डकोर अपराधी राहुल मीणा के अवैध कब्जा और अतिक्रमण कर चलाए जा रहे रेस्टोरेंट को पुलिस और जेडीए ने संयुक्त कार्रवाई कर तोड़ दिया। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त प्रथम कैलाश चंद विश्नोई ने बताया कि ऑपरेशन वज्र के तहत अपराधियों की अवैध सम्पत्तियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। इसी के तहत भट्टा बस्ती इलाके में किशनबाग, स्वर्ण जयन्ती गार्डन के पीछे जेडीए की जमीन खसरा नम्बर-16 पर विद्याधर नगर पुलिस थाने का हिस्ट्रीशीटर व हार्डकोर क्रिमिनल राहुल मीणा अतिक्रमण कर अवैध निर्माण कर रेस्टोरेंट 'अभि रेस्टोरेन्ट' चला रहा था। इस पर उक्त अवैध कब्जे-अतिक्रमण के संबंध में स्थानीय थानाधिकारी विनोद वर्मा ने तस्दीक की, जिस पर अवैध अतिक्रमण पाए जाने पर अतिक्रमी को धारा-72 जविप्रा अधिनियम के तहत नोटिस जारी किया और अवैध कब्जा-अतिक्रमण हटाने के लिए पाबंद किया।

अतिक्रमी ने सरकारी जमीन पर से किसी प्रकार का अवैध निर्माण नहीं हटाया। इस पर पुलिस की ओर से चलाए अभियान ऑपरेशन वज्र प्रहार के अंतर्गत बुधवार को जोन-02 के प्रवर्तन दस्ते ने जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त कर दिया। अतिक्रमण मुक्त भूमि की अनुमानित कीमत करीब 05 करोड़ रुपए है। ध्वस्त जमीन को जेडीए को सुपुर्द कर दिया। इस दौरान मौके पर पुलिस का जाब्ता तैनात रहा।

इधर, 10 बीघा जमीन पर बन रही कॉलोनी पर भी कार्रवाई

वहीं जेडीए के जोन-10 के इकोलॉजिकल जोन में खो-नागोरियान करीम नगर कॉलोनी में सरकारी आईटीआई कॉलेज के पीछे जेडीए की करीब 05 बीघा बेशकीमती सरकारी भूमि पर भू-माफियाओं ने कब्जा-अतिक्रमण कर लिया था। प्रवर्तन दस्ते ने जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से इसे पूर्ण ध्वस्त किया। अतिक्रमण मुक्त भूमि की अनुमानित कीमत करीब 15 करोड़ रुपए है। इसी प्रकार जोन-10 में ही इकोलॉजिकल जोन में लूणियावास में करीब 05 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर ही जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवाएं भूमि को समतल कर गोवर्धन नगर-तृतीय, श्री जी नगर के नाम से अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाई जा रही थी। प्रवर्तन दस्ते ने अवैध निर्माणों को ध्वस्त कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल कर दिया।

तीन गुना ज्यादा घातक

शार्क, समंदर की गहराई में रहने वाला वह जानवर जो है तो मछली के परिवार का, लेकिन अगर इंसान की एक झलक भी पा ले, तो उसे जिंदा निगल जाए। मगर अब एक स्टडी पर यकीन करें तो इंसान, इस जानवर से भी ज्यादा खतरनाक है। इस स्टडी को यूके के वैज्ञानिकों ने किया है। उन्होंने पाया कि इंसान के शार्क से भी खतरनाक होने की कई वजहें हैं। इंसान को एक खतरनाक शिकारी भी कहा जाता है जो अक्सर जानवरों को मारकर भी खाता है।

शोषण कभी भोजन, कभी दवाइयों तो कभी पालतू जानवर के तौर पर हो रहा

जंगली जानवरों का प्रयोग बायोडाइवर्सिटी और इकोलॉजी के लिए घातक

इंसान को एक खतरनाक शिकारी के तौर पर भी जाना जाता रहा है

50,000 से अधिक जानवरों की प्रजातियों पर किया शोध

खुलासा

शोधकर्ताओं ने किया दावा, बताई कई वजहें

शार्क से भी ख़तरनाक इंसान

इंसान करीब एक तिहाई जानवरों का करता है शोषण

साइंस डेस्क

अक्सर इंसानों के बारे में कहा जाता है कि वह जानवरों से भी ज्यादा खतरनाक है। उसे हमेशा से एक खतरनाक शिकारी के तौर पर भी माना जाता है। मगर पहली बार वैज्ञानिकों ने एक रिसर्च करके इस बारे में कोई निष्कर्ष भी निकाला है। पहली बार वैज्ञानिकों ने साबित किया है कि इंसान वाकई खतरनाक है। यूके के वैलिंगफोर्ड, ऑक्सफोर्डशायर में स्थित सेंटर फॉर इकोलॉजी एंड हाइड्रोलॉजी में हुई एक स्टडी के बाद वैज्ञानिक इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि इंसान शार्क जैसे जानवरों से तीन गुना ज्यादा खतरनाक है। वह अक्सर जानवरों को कई तरह से शोषण करता है। कई बार तो जानवरों को मारकर भी खा जाता है।

इन रूपों में मनुष्य करता है जानवरों का प्रयोग

- भोजन के लिए पशुओं का इस्तेमाल
- वस्त्रों के लिए पशुओं का इस्तेमाल
- खेती समेत अन्य उपयोग के लिए
- मनोरंजन के लिए पशुओं का इस्तेमाल
- साथी पशु, जैसे कुत्ता, बिल्ली आदि
- कॉस्मेटिक और घरेलू उत्पाद के परीक्षण
- नई सामग्री के साथ प्रयोग
- जैवचिकित्सा के लिए

अलग-अलग तरह से प्रयोग

वैज्ञानिकों के मुताबिक इंसान कभी भोजन, कभी दवाइयों तो कभी पालतू जानवर के तौर पर लगभग एक तिहाई जानवरों का शोषण करता है। इस वजह से अब दुनिया में करीब आधे जानवरों के गायब होने का खतरा बढ़ जाता है। उनका कहना था कि इंसानों की यह प्रवृत्ति उसे सफेद शार्क जैसे प्राकृतिक शिकारियों की तुलना में सैकड़ों गुना अधिक खतरनाक बना देती है। साथ ही उसकी यह आदत प्रकृति के साथ-साथ इकोलॉजी के लिए भी गंभीर परिणामों की चेतावनी की तरह है।

मनुष्य कर रहे जानवरों का प्रयोग

डॉ. रॉब कुक ने इस स्टडी के बारे में कहा,' हमें जो कुछ भी रिसर्च में मिला उसने हमें हैरान कर दिया था। मनुष्यों के पास जानवरों के प्रयोग करने की बहुत ज्यादा तरकीबें हैं। लेकिन हमें दुनिया भर में स्थायी मानव-प्रकृति संबंधों को और मजबूत करने की जरूरत है।'

39 फीसदी जानवर गायब हो रहे

रिसर्चर्स ने करीब 50,000 विभिन्न जंगली स्तनधारियों, पक्षियों, सरीसृपों, उभयचरों और मछलियों के डेटा पर अध्ययन किया था। ये वो जानवर हैं जिन्हें मनुष्य भोजन, दवाओं या कपड़ों के लिए काटते हैं या फिर व्यापार के लिए जंगल से पकड़ कर लाते हैं। उन्होंने पाया कि जानवरों की 14,663 प्रजातियों का उपयोग या व्यापार किया जाता है। इनमें से 39 फीसदी ऐसे जानवर हैं जो गायब होने की तरफ हैं।

300 गुना ज्यादा खतरनाक

इंसान का असर सफेद शार्क, शेर या बाघ जैसे खतरनाक शिकारी जानवरों की तुलना में 300 गुना ज्यादा है। उनका कहना था कि इंसान एंथ्रोपोसीन में प्रवेश कर रहे हैं। यह वह अवधि जिसके दौरान मानव गतिविधि का जलवायु और पर्यावरण पर प्रमुख प्रभाव बन रहा है। रिसर्च में यह चेतावनी दी गई है कि जंगली जानवरों का ज्यादा प्रयोग बायोडाइवर्सिटी और इकोलॉजी के लिए हानिकारक होगा और इसके गंभीर परिणाम होंगे।

एशिया में सबसे हरा भरा गांव खोनोमा

नगालैंड की राजधानी कोहिमा से 20 किमी दूर स्थित लगभग 700 साल पुराना है गांव, आबादी 3,000

पूरे एशिया का पहला 'ग्रीन विलेज'

साइंस डेस्क

नगालैंड की राजधानी कोहिमा से लगभग 20 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है खोनोमा गांव। इसे जंगली पौधे, गलौथरा फ्रैगरेंटिसिमा के अंगामी शब्द ख्वुनोरिया के नाम से भी जाना जाता है। यह गांव लगभग 700 साल पुराना है। यहां करीब 600 के आसपास घर हैं। इसकी आबादी लगभग 3,000 होगी। इस गांव को हरे-भरे गांव का दर्जा हासिल है। यह सिर्फ़ भारत ही नहीं बल्कि पूरे एशिया का पहला 'ग्रीन विलेज' यानी हरित गांव है।

यह भी दिलचस्प

खोनोमा की सबसे दिलचस्प बात यह है कि यह अपने एक यूनिक तरह से खेती करने के लिए सबसे ज़्यादा प्रसिद्ध है, जिसमें पुराने सीढ़ीदार खेती के तरीके भी शामिल हैं। इस गांव के जंगलों में जंगली फल के 84 प्रकार, जंगली सब्जियों की 116 प्रकार, मशरूम के नौ किस्मों, और प्राकृतिक रंगों के पांच प्रकार के लिए 70 से अधिक सहित लगभग 250 पौधों की प्रजातियों के होने का रिकॉर्ड है।

पेड़ों की कटाई पर रोक

पूरे गांव में पेड़ों को काटने और शिकार की मनाही है। यहां अंगामी जनजाति रहती है जो शिकार के लिए पूरे भारत में जानी जाती है। शिकार इस जनजाति की परंपरा का एक अहम हिस्सा था, लेकिन 90 के दशक में गांव वालों ने एक शिकार प्रतियोगिता के दौरान एक हफ़्ते में ही करीब 300 ब्लाइद ट्रैगोपैन की हत्या कर दी। इतनी बड़ी तादाद में इन पक्षियों की हत्या ने वन्य जीव संरक्षकों और गांव के बड़े-बुजुर्गों को कदम उठाने के लिए मजबूर कर दिया। दिसम्बर 1998 में खोनोमा में इस प्रजाति के शिकार को प्रतिबंधित कर दिया गया।

सैलानियों में लोकप्रिय

खोनोमा सैलानियों के बीच काफी लोकप्रिय है। यहां हर साल बड़ी तादाद में पर्यटक आते हैं। यहां के निवासी इन पर्यटकों को अपना गांव और परंपरा बढ़-चढ़ कर दिखाते हैं। इसके साथ ही साथ ये लोग पर्यटकों को अपने घर में रहने के लिए आश्रय भी देते है।

कौन है अंगामी जनजाति

अंगामी एक नगा समूह है उत्तर पूर्वी भारत के नगालैंड राज्य में बसा है। अंगामी जनजाति ख़ास तौर पर नागालैंड के कोहिमा और दीमापुर जिले में बसी हुई है। अंगामी जनजाति मणिपुर राज्य के हिस्सों में भी बसी है। अंगामी जनजाति 4 इलाकों के आधार पर चार भागों में बांटा गया है और इसी आधार पर इन्हे नाम भी दिए गए हैं चाखरो अंगामी, उत्तरी अंगामी, दक्षिणी अंगामी और पश्चिमी अंगामी। चकेसांग जो अब अंगामी जनजाति से अलग वजूद रखते हैं उन्हें पूर्व में पूर्वी अंगामी जनजाति का दर्जा मिला हुआ था।

जंगल में जादुई पुल

पानी पर दौड़ती हैं कारें, दूर-दूर देखने आते हैं लोग

साइंस डेस्क

'जंगल में जादुई पुल' यह सुनकर आप अचंभित हो सकते हैं, लेकिन यह सच है। चीन के शिजिगुआन प्रांत में घाटी में नदी पर इंजीनियरिंग का अद्भुत नमूना दिखाई देता है यहां नदी पर सड़क बनाई गई है। जिस पर कारें पानी को छूकर गुजरती हैं। इस अद्भुत नजारे को देखने के लिए लोग दूर दूर से आते हैं। हाल के दिनों में यहां पर एक पुल का वीडियो चर्चा में बना हुआ है। इस पर गाड़ियां नदी के ऊपर पुल पर नहीं, बल्कि पानी पर चलती हैं।

सोशल मीडिया पर लूट रहा सुर्खियां

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में दनादन कारें नदी में पानी के ऊपर से गुजर रही हैं। ये वीडियो कोई फेक नहीं है, बल्कि सच है और इन दिनों खूब सुर्खियां बटोर रहा है। चीन में चलने वाली गाड़ियां पानी पर बने एक पुल पर से होकर गुजरती है। ये पुल कोई ऊपर की ओर नहीं बनाया गया, बल्कि इसे पानी पर ही इस तरह से बनाया गया है कि गाड़ियां पानी की लहरें महसूस करते हुए निकल जाती हैं।

अनोखा है तैरता हुआ पुल

चीन के शिजिगुआन प्रांत में घाटी में बहती हुई नदी के पुल बनाया गया है। अगर आप पहली बार देखेंगे तो आपको यही लगेगा कि ये पुल नदी पर तैरता दिख रहा है और गाड़ियां सरपट इस पर दौड़ती दिखती जाती है। इस पुल का कमाल देखने के लिए लोग दुनिया भर से यहां आते हैं और नदी में तैरने वाले पुल पर गाड़ी चलाकर इसका आनंद लेते हैं।

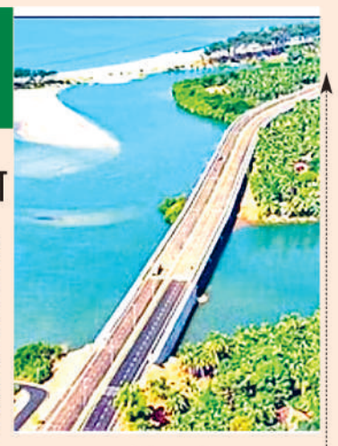

फ्लोटिंग ब्रिज

चीन के दक्षिण-पश्चिमी हुबेई प्रांत के जुआन काउंटी में मौजूद शिजिगुआन फ्लोटिंग ब्रिज दुनियाभर के पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है और देखने वालों को लगता है कि नदी उनके साथ ही चल रही है।

वायरल हो रहा है वीडियो

इस पुल के अद्भुत वीडियो को इंस्टाग्राम पर वेल्थ नाम के अकाउंट से बनाया गया है। इसे 3 दिन में ही करीब 3 लाख लोग लाइक कर चुके हैं। यह पुल एक घुमावदार नदी पर बना है जो 500 मीटर लंबा और 4.5 मीटर चौड़ा है। जंगलों के बीच बनी इस नदी का ये ब्रिज पर उसमें उठने वाली लहरें बहुत ही खूबसूरत नज़ारा पेश करती हैं।

145 किलो की रोटी

एक रोटी से ही भर सकता है छोटे गांव का पेट

गुजरात में बनती है दुनिया की सबसे बड़ी रोटी

गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में भी हो चुकी दर्ज

साइंस डेस्क

भारत देश तरह-तरह के खान पान के लिए दुनिया में मसहूर है। यहां हर कुछ सौ किलोमीटर पर खाने का स्वाद और उसे पकाने का तरीका बदल जाता है, लेकिन रोटी ऐसी चीज है जो पूरे भारत में एक जैसी बनाई जाती है। साइज भी हर जगह पर एक जैसा ही होता है, लेकिन पूरे भारत में सिर्फ गुजरात एक ऐसी जगह है जहां दुनिया की सबसे बड़ी रोटी बनाई जाती है। ये रोटी इतनी बड़ी होती है कि इस एक रोटी से पूरा एक गांव पेट भर सकता है। तो चलिए आपको बताते हैं इस अनोखी रोटी की कहानी।

जामनगर की रोटी सबसे बड़ी

दुनिया की सबसे बड़ी पीएम नरेंद्र मोदी के गृह राज्य गुजरात के जामनगर में बनती है। हालांकि, यह रोटी रोज नहीं बनाई जाती, बल्कि इसे सिर्फ कुछ खास मौकों पर ही बनाया जाता है। जैसे दगडू सेठ गणपति सार्वजनिक महोत्सव या फिर जलाराम बापा की जयंती पर।

मंदिर कमेटी बनवाती है

इस रोटी को जलाराम मंदिर के जीर्णोद्धार कमेटी द्वारा बनवाया जाता है और फिर इसी रोटी से मंदिर में आए लोग अपना पेट भरते हैं। लोग इस रोटी को खाने दूर दूर से इस खास दिन पर जामनगर आते हैं।

ऐसे होती है तैयार

दुनिया की सबसे बड़ी रोटी बनाने के लिए एक दो नहीं बल्कि कई महिलाएं एक साथ जुटती हैं। घंटों मेहनत के बाद ये रोटी तैयार होती है। इस रोटी को बनाने में ढेर सारे गेहूं के आटे का प्रयोग होता है। जब यह रोटी बनकर तैयार होती है तो इसका वजन 145 किलो तक पहुंच जाता है। खास बात की इस रोटी को पकाने के लिए मंदिर के पास एक बड़ा सा विशेष तवा है। इसी तवे पर इस खास रोटी को पकाया जाता है। रोटी सेंकने के लिए भी कई लोग लगाए जाते हैं और आंच को धीमा रखा जाता है, ताकि रोटी जले ना।

अमेरिका में 4 पालतू कुत्तों को गिरवी रखकर कार खरीद लाया युवक

ओक्लाहोमा

अमेरिका में एक युवक अपने 4 पालतू कुत्तों को कार शोरूम पर गिरवी रखकर उनके बदले बड़ी महंगी और लग्जरी कार ले आया। यह घटना सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। इस पर लोग कड़ी प्रतिक्रिया भी दे रहे हैं। इस घटना और उससे जुड़ी एक फोटो भी शेयर की गई है, जिसमें युवक और उसकी पत्नी काले रंग की नई कार के साथ खड़े दिख रहे हैं। दूसरी ओर चारों पिटबुल कुत्ते एक पिंजरे में कैद नजर आ रहे हैं।

क्या है पूरा मामला?

यह घटना अमेरिका के ओक्लाहोमा शहर की है। वहां एक युवक के पास 4 पिटबुल कुत्ते थे। वह इन कुत्तों से बहुत प्यार करता था। एक दिन युवक का कार खरीदने का मन हुआ, लेकिन उसके पास पैसे नहीं थे। इस पर उसने निसान शोरूम जाकर मालिक से बात की और कहा कि उसके पास 4 पिटबुल कुत्ते हैं और वह कार के अग्रिम मुगतान के रूप में उन्हें गिरवी रख सकते हैं। इस पर शोरूम मालिक तैयार हो गया। शोरूम मालिक के तैयार होने पर युवक और उसकी पत्नी चारों कुत्तों के लेकर शोरूम पहुंच गए और उन्हें गिरवी रखकर अल्टिमा कार खरीद ली। मामले के अनुसार, युवक ने चारों कुत्तों को शोरूम मालिक के पास गिरवी रखा है, लेकिन ये स्पष्ट नहीं हो पा रहा है कि युवक बाद में पूरा पैसा चुकाकर उन्हें वापस लाया या नहीं।

स्वास्थ्य के लिहाज से बेहद फायदेमंद

नारियल के अंदर कहां से आता है पौष्टिक पानी...

एक पेड़ पर आते हैं सौ अधिक नारियल, सभी के अंदर लबालब भरा रहता है पानी

साइंस डेस्क

गर्मियों का पसंदीदा ड्रिंक्स नारियल पानी। यह स्वास्थ्य के लिहाज से भी हमारे लिए बेहद फायदेमंद होता है। आपने बहुत बार नारियल पानी पिया होता, लेकिन क्या कभी आपने सोचा है कि आखिर इस नारियल के अंदर इतना पौष्टिक पानी आता कहां से हैं? इस रिपोर्ट में देंगे हम ऐसी ही जानकारी कि नारियल के अंदर पानी आता कहां से है।

सेहतमंद पानी

एक नारियल के पेड़ पर सौ से भी अधिक नारियल के फल आते हैं, सभी के अंदर लबालब पानी भरा रहता है। ये कोई साधारण पानी नहीं होता, बल्कि इसे दुनिया का सबसे सेहतमंद पानी माना जाता है, जो काफी स्वादिष्ट और फायदेमंद भी होता है। दरअसल नारियल के अंदर मौजूद जो पानी हम पीते हैं वह पौधे का एंडोस्पर्म वाला हिस्सा होता है। नारियल का पेड़ पानी को संग्रहित (कलेक्शन) करने के लिए अपने फलों का प्रयोग करता है। असल में यह पानी पेड़ की जड़ों से एकत्र करके फलों तक पहुंचाया जाता है।

ऐसे चलती है प्रक्रिया

नारिय के अंदर पानी कोशिकाओं के जरिए लाया जाता है। इस पानी में जब एंडोस्पर्म घुल जाता है तो यह गाढ़ा हो जाता है। एक कच्चे यानी हरे नारियल में एंडोस्पर्म न्यूक्लियर टाइप यानी रंगहीन तरल जैसा होता है। इसके बाद जब नारियल पकने लगता है तो इसका पानी भी सूखने लगता है और इंडोस्पर्म ठोस हो जाता है, ये सफेद हिस्सा खाने योग्य होता है। जिसे कच्चा गोला भी कहा जाता है।

हृदय रोगियों के लिए रामबाण

नारियल पानी पीने से शरीर को कई पोषक तत्व मिलते हैं। ये मधुमेह और हृदय रोगियों के लिए रामबाण साबित होता है। साथ ही ये गुर्दे की पथरी को रोकने में भी काफी अहम भूमिका निभाता है। आप वर्कआउट के दौरान या इसके बाद भी नारियल पानी पी सकते हैं। इसमें मौजूद इलेक्ट्रोलाइट्स और एंटीऑक्सीडेंट आपके ऊर्जा स्तर को बढ़ा देते हैं।

हाइड्रेशन के लिए बढ़िया

नारियल का पानी हाइड्रेशन के लिए भी काफी बढ़िया माना जाता है। ये बी विटामिन राइबोफ्लेविन (बी2), पैंटोथैनिक एसिड, नियासिन (बी 3), फोलिक एसिड, बायोटिन, के साथ थायमिन (बी 1), सोडियम, पोटेशियम और विटामिन सी से भरपूर होता है।

हिलव्यू समाचार

खेल

जयपुर, शुक्रवार, 14 जुलाई 2023

52 साल से कायम है गावस्कर का ये रिकॉर्ड, नहीं तोड़ पाए दुनिया के धुरंधर बल्लेबाज

75 साल के हो गए लिटिल मास्टर ने अपनी दम पर टीम इंडिया को जिताए कई मैच जिताए

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत के दिग्गज बल्लेबाज सुनील गावस्कर यानि कि लिटिल मास्टर ने कल 10 जुलाई को अपना 75वां जन्मदिन मनाया। वह भारतीय क्रिकेट इतिहास में एक सूर्य की तरह हैं, जिनकी रोशनी से सचिन तेंदुलकर, सौरव गांगुली और राहुल द्रविड़ जैसे बल्लेबाज प्रभावित हुए। गावस्कर ने अपने क्रिकेट करियर के दौरान कई ऐसे कीर्तिमान बनाए, जो आज तक कायम हैं। ऐसा ही एक कीर्तिमान लिटिल मास्टर के नाम है जो 52 सालों से दुनिया का कोई भी बल्लेबाज नहीं तोड़ पाया।

अजेय रिकार्ड : डेब्यू सीरीज में ठोके 774 रन

सुनील गावस्कर ने अपनी डेब्यू सीरीज में ही सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। उन्होंने तब वेस्टइंडीज के खिलाफ 774 रन ठोके, जिसमें चार शतक शामिल थे। 52 साल बाद भी डेब्यू सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड उन्हीं के नाम है, जिसे सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली, ब्रायन लारा, स्टीव स्मिथ, जयसूर्या जैसे बल्लेबाज तोड़ नहीं पाए हैं।

बोलती थी इनकी तूती

इसी वजह से उन्हें लिटिल मास्टर का खिताब दिया गया। उन्होंने साल 1971 में वेस्टइंडीज के खिलाफ पोर्ट ऑफ स्पेन में टेस्ट में डेब्यू किया था जब गावस्कर ने क्रिकेट की दुनिया में पैर रखा था तब टेस्ट में वेस्टइंडीज की पेस बैटरी की तूती बोलती थी, लेकिन गावस्कर ने अपनी आतिशी बैटिंग से वेस्टइंडीज के गेंदबाजों के छक्के छुड़ा दिए।

क्रिकेट की दुनिया में किया कमाल

सुनील गावस्कर का जन्म 10 जुलाई 1949 को महाराष्ट्र के मुंबई में हुआ था। उनकी लंबाई ज्यादा नहीं थी। वह पांच फुट 5 इंच ही लंबे थे। गावस्कर को लिटिल मास्टर के नाम से भी जाना जाता है। छोटी हाइट के बावजूद उन्होंने कई शानदार पारियां खेलीं और कई बार टीम इंडिया को जीत दिलाई। वनडे वर्ल्ड कप 1983 के फाइनल में भारत ने वेस्टइंडीज को पटखनी देकर वर्ल्ड क्रिकेट में चला आ रहा उनका राज खत्म कर दिया था। गावस्कर वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम का हिस्सा रह चुके हैं।

सबसे पहले बनाए थे दस हजार रन

पहले के समय में दस हजार बनाना बहुत ही मुश्किल माना जाता था, लेकिन सुनील गावस्कर टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में दस हजार का आंकड़ा छूने वाले पहले क्रिकेटर हैं। इसके अलावा उन्होंने तीन बार इंटरनेशनल टेस्ट मैच की दोनों पारियों में शतक लगाया था। वह यह कारनामा करने वाले इकलौते भारतीय बल्लेबाज हैं। वहीं, क्रिकेट की दुनिया में सबसे तेज पांच हजार रन पूरे करने के मामले में वह तीसरे नंबर पर मौजूद हैं।

जीता वनडे वर्ल्ड कप

सुनील गावस्कर के समय वेस्टइंडीज की टीम क्रिकेट की दुनिया में सबसे मजबूत मानी जाती थी, तब वेस्टइंडीज के पास एंडी रॉबर्ट्स, जॉल गार्डनर, मैलकम मार्शल और माइकल होल्डिंग जैसे खतरनाक गेंदबाज थे, लेकिन गावस्कर ने इन सभी का डटकर मुकाबला किया। उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ 27 मैचों में 2749 रन बनाए, जिसमें 13 शतक शामिल हैं।

एक नज़र

प्रवीण कुमार ने जीता कांस्य पदक, हासिल किया कोटा

पेरिस। भारत के प्रवीण कुमार ने यहां विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पुरुषों की ऊंची कूद टी64 स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर पेरिस में 2024 में होने वाले पैरालंपिक खेलों का कोटा हासिल किया। बीस वर्षीय प्रवीण ने 2.01 मीटर छलांग लगाकर सत्र का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। वह पोलैंड के लेपियाटो मासिएज (2.05 मीटर) और ग्रेट ब्रिटेन के ब्रूम एडवर्ड्स जोनाथन (2.05 मीटर) के बाद तीसरे स्थान पर रहे। प्रवीण का यह पदक चैंपियनशिप में भारत का पहला पदक भी है। नोएडा के रहने वाले इस खिलाड़ी ने तोक्यो पैरालंपिक खेलों में रजत पदक जीता था।

जूनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप में हरियाणा के मुक्केबाज चमके

ईटानगर। हरियाणा के युवा मुक्केबाज सिकंदर और योगेश ढांडा ने मंगलवार को यहां जूनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप के दूसरे दिन अपने अभियान की शुरुआत जीत के साथ की। दोनों ने 5-0 के समान अंतर से जीत दर्ज की। हरियाणा के एक अन्य मुक्केबाज वंश भी कड़े मुकाबले में 3-2 की जीत के साथ अगले दौर में जगह बनाने में सफल रहे। सिकंदर ने 48 किग्रा वर्ग में दिल्ली के हर्षित गहलोत को हराया जबकि योगेश ने 57 किग्रा वर्ग में कर्नाटक के वी आकाश को शिकस्त देकर अगले दौर में जगह बनाई। वंश (50 किग्रा) को हालांकि राजस्थान के मनीष गुर्जर के खिलाफ 3-2 की जीत दर्ज करने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। सेना के दिवाश कटारे ने 48 किग्रा वर्ग के एक अन्य मुकाबले में केरल के अंजिन अनु थॉमस को हराया। पंजाब के ईशविंदर सिंह (66 किग्रा) और साहिल जेठी (48 किग्रा) ने भी क्रमशः चंडीगढ़ के मंतेग सिंह और बंगाल के सोयम मलिक को 5-0 के समान अंतर से हराया।

लाल गेंद के अपने करियर को सुंदर देंगे नया जीवन

बेंगलुरु। चोट से उबरने के बाद दलीप ट्रॉफी से प्रथम श्रेणी क्रिकेट में वापसी करने वाले भारतीय ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर की निगाहें अब लाल गेंद के अपने करियर को नया जीवन देने पर लगी हैं। वाशिंगटन को पिछले सप्ताह दक्षिण क्षेत्र की तरफ से उत्तर क्षेत्र के खिलाफ दलीप ट्रॉफी सेमी फाइनल में लाल गेंद के प्रारूप में अपने कौशल को परखने का मौका मिला था। उनकी वापसी हालांकि शानदार नहीं रही। उन्होंने कुल 11 ओवर किए जिसमें उन्हें एक विकेट मिला। बल्लेबाजी में वह केवल 14 रन ही बना पाए।

महिला क्रिकेट : दूसरे टी-20 में बांग्लादेश को हराकर सीरीज की अपने नाम

100 रन भी नहीं बना सकी भारतीय टीम फिर भी बांग्लादेश को दी 8 रन से मात

एजेंसी ▶▶ ढाका

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने दूसरे टी-20 मैच में बांग्लादेश महिला क्रिकेट टीम को 8 रनों से हराकर सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली। शेरे बांग्ला नेशनल स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में भारतीय टीम पूरे ओवर खेलकर 8 विकेट के नुकसान पर 95 रन ही बना सकी।

जवाब में बांग्लादेश के बल्लेबाजों ने निराश किया और टीम 87 रन पर ही सिमट गई। बांग्लादेश के खिलाफ महिला टी20 में यह भारत का न्यूनतम स्कोर है। बांग्लादेश की आफ स्पिनर सुल्ताना खातून ने कैरियर की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी करते हुए 21 रन देकर तीन विकेट लिये। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया।

ऐसा रहा रोचक मुकाबला

पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत को 33 रन के स्कोर पर स्मृति मंधाना (13) के रूप में पहला झटका लगा। इसी स्कोर पर भारत ने शफाली (19) और हरमनप्रीत (0) के विकेट खो दिए। लगातार गिर रहे विकेटों के बीच भारतीय टीम 95 रन ही बना सकी। जवाब में बांग्लादेश की खराब शुरुआत रही और मेजबान टीम ने 30 रन तक अपने 4 विकेट। इसके बाद कप्तान निगार सुल्ताना ने संघर्ष किया लेकिन जीत नहीं दिला सके।

मीनू और दीप्ति ने की कमाल की गेंदबाजी

अपना दूसरा टी-20 मैच खेल रही मीनू मणि ने प्रभावित किया। उन्होंने अपने 4 ओवर में 2.20 की इकॉनमी रेट से 9 रन देते हुए 2 विकेट लिए। इस बीच उन्होंने एक ओवर मेडन भी किया। बेरेड्डी अनुषा ने अपने 4 ओवर में 20 रन देते हुए 1 विकेट लिया। दीप्ति शर्मा ने कमाल की गेंदबाजी की। दीप्ति ने 4 ओवर 12 रन देते हुए 3 विकेट लिए। शफाली ने 3 ओवर में 15 रन देकर 3 विकेट लिए।

सुल्ताना ने खेली संघर्षपूर्ण पारी

लक्ष्य का पीछा करते हुए बांग्लादेश के बल्लेबाजों ने भी खराब शॉट लगाकर अपने विकेट दिए। मुश्किल घड़ी में कप्तान निगार सुल्ताना ने 55 गेंदों में 38 रनों की संघर्षपूर्ण पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी में 2 चौके लगाए।

भारतीय महिला टीम का सबसे कम स्कोर

भारतीय टीम के लिए बल्ले से खराब दिन रहा और निर्धारित 20 ओवरों के बाद पूरी टीम महज 95/8 का स्कोर ही बना सकी। यह बांग्लादेश के खिलाफ टी-20 में भारतीय महिला टीम का सबसे कम स्कोर बन गया है। इससे पहले 2014 में बांग्लादेश के खिलाफ भारत का सबसे कम स्कोर 101 रन था।

हरमनप्रीत ने बनाया ये अनचाहा रिकॉर्ड

सीरीज के पहले टी-20 मैच में अर्धशतकीय पारी खेलने वाली हरमनप्रीत कौर दूसरे टी-20 में दुर्भाग्यशाली रहीं और पहली गेंद पर ही आउट हो गईं। वह सुल्ताना खातून की गेंद पर बोल्ड हो गईं। वह बांग्लादेश के खिलाफ गोल्डन डक पर आउट होने वाली पहली भारतीय कप्तान बनी है। बता दें कि यह तीसरा मौका है, जब हरमनप्रीत टी-20 अंतरराष्ट्रीय में पहली गेंद पर शून्य पर आउट हुई हों।

8 रन बनाकर जेमिमा ने बनाया रिकॉर्ड

जेमिमा रोड्रिगेज आज संघर्ष करती हुई नजर आईं। बांग्लादेश के स्पिनरों की कमाल की गेंदबाजी के चलते वह सिर्फ 8 रन बनाकर आउट हुईं। इस बीच उन्होंने रनों के मामले में वेस्टइंडीज की हैली मैथ्यूज (1,716) और इंग्लैंड की टैमी ब्यूमोंट (1,721) को पीछे छोड़ दिया। वह इस समय विश्व की 22वीं सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज बन गई हैं। उनके अब 82 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 29.20 की औसत से 1,723 रन हो गए हैं।

एशियाई खेल के आयोजकों ने आईओए का अनुरोध ठुकराया

भाषा ▶▶ नई दिल्ली

हांगझोउ एशियाई खेल आयोजन समिति (एचएजीओसी) ने इन महाद्वीपीय खेलों के लिए भारतीय पहलवानों के नाम भेजने के लिए समय सीमा बढ़ाने के भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के अनुरोध को ठुकरा दिया है। आईओए ने एशियाई ओलंपिक परिषद (ओसीए) से भारतीय कुश्ती दल की प्रविष्टियां भेजने के लिए समय सीमा पांच अगस्त तक बढ़ाने का अनुरोध किया था लेकिन उसने केवल सात दिन (22 जुलाई तक) की ही छूट दी। एशियाई खेलों के आयोजकों ने इन खेलों के लिए खिलाड़ियों के नाम भेजने की अंतिम तिथि 15 जुलाई तय की थी लेकिन आईओए के आग्रह के बाद ओसीए ने आईओए द्वारा गठित तदर्थ पैनल को 22 जुलाई तक पहलवानों के नाम भेजने की छूट दी थी। सोमवार को आईओए ने ओसीए से समय सीमा अगस्त तक बढ़ाने पर पुनर्विचार करने के लिए कहा जिसे आखिर में एशियाई खेलों की आयोजन समिति ने नामंजूर कर दिया।

स्वियातेक को हराकर विंबलडन के सेमीफाइनल में पहुंची स्वितोलिना

भाषा ▶▶ विंबलडन

मातृत्व अवकाश से वापसी करने के तीन महीने बाद एलिना स्वितोलिना ने मंगलवार को यहां शीर्ष रैंकिंग वाली इगा स्वियातेक को 7-5, 6-7 (5), 6-2 से हराकर विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई। यूक्रेन की 28 वर्षीय स्वितोलिना ने पिछले साल अक्टूबर में बेटी को जन्म दिया था और उन्होंने इस साल अप्रैल में डब्ल्यूटीए टूर में वापसी की थी। फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के बाद उन्हें विंबलडन में वाइल्ड कार्ड से प्रवेश दिया गया था। स्वितोलिना ने मैच के बाद कहा,'' अगर कोई टूर्नामेंट के शुरू में मुझसे कहता कि मैं विश्व की नंबर एक खिलाड़ी को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाऊंगी तो मैं उसे अति उत्साही कहती।'' चार बार की ग्रैंड स्लैम विजेता स्वियातेक ने पिछले महीने फ्रेंच ओपन में अपना तीसरा खिताब जीता था लेकिन वह विंबलडन में पहली बार क्वार्टर फाइनल में पहुंची थी। स्वितोलिना का अगला मुकाबला मार्केटा वांद्रोसोवा से होगा, जिन्होंने अंतिम सेट में लगातार पांच गेम जीतकर चौथी वरीय जेसिका पेगुला को 6-4, 2-6, 6-4 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। चेक गणराज्य की बाएं हाथ की खिलाड़ी वांद्रोसोवा तीसरे सेट में 1-4 से पिछड़ रही थी लेकिन इसके बाद उन्होंने लगातार पांच गेम जीतकर मुकाबला अपने नाम किया। वांद्रोसोवा ने मैच के बाद कहा, ''मैं बस प्रत्येक गेम में बने रहना चाहती थी।

हसरंगा, गार्डनर आईसीसी के प्लेयर ऑफ द मंथ बने

एजेंसी ▶▶ दुबई

श्रीलंका के स्पिनर वानिंदु हसरंगा और ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम की ऑलराउंडर एशलेग गार्डनर को जून में उनके प्रभावशाली प्रदर्शन के लिए मंगलवार को आईसीसी का महीने का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया।

जिंबाब्वे में विश्व कप क्वालीफायर में रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन के बाद हसरंगा को इस पुरस्कार के लिए चुना गया। महिला एशेज टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की जीत में अहम भूमिका निभाने वाली गार्डनर तीन बार महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार जीतने वाली पहली खिलाड़ी बनी।

हसरंगा ने पिछले माह चटकाए 26 विकेट

हसरंगा ने पिछले महीने 10 के औसत से 26 विकेट चटकाए। उन्होंने विश्व कप क्वालीफायर में श्रीलंका के पहले मैच में यूएई के खिलाफ छह विकेट चटकाए और फिर ओमान और आयरलैंड के खिलाफ क्रमशः 13 और 79 रन देकर पांच-पांच विकेट हासिल किए।

गार्डनर ने एशेज श्रृंखला में दिखाया था दमखम

गार्डनर ने मौजूदा महिला एशेज श्रृंखला में शुरुआती सफलता की बदौलत यह पुरस्कार अपने नाम किया। उन्होंने एशेज टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की 89 रन की जीत में अहम भूमिका निभाई। गार्डनर ने ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी में 40 रन बनाने के बाद चार विकेट चटकाए। दूसरी पारी में बल्ले से नाकाम रहने के बावजूद इस स्पिनर ने दूसरी पारी में 66 रन देकर आठ विकेट चटकाए।

जबाउर विम्बलडन के क्वार्टर फाइनल में

विम्बलडन। पिछले साल विम्बलडन फाइनल में एलेना रिबाकिना से हारी ओंस जबाउर का सामना इस बार उनसे महिला एकल क्वार्टर फाइनल में ही होने जा रहा है। ट्यूनीशिया की छठी वरीयता प्राप्त जबाउर ने चौथे दौर में दो बार की चैम्पियन पेत्रा क्वितोवा को 6-0, 6-3 से हराया। जीत के बाद उन्होंने कहा मैं बदला चुकता करने उतरूंगी। पिछले साल फाइनल की हार की यादें ताजा हो गई। मेझया हटीं, रिबाकिना को फायदा एक अन्य मुकाबले में कजाखस्तान की रिबाकिना ने क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई जब बीयट्रिज हडाड मेझया कमर की चोट के कारण कोर्ट छोड़ने पर मजबूर हो गईं। उस समय रिबाकिना 4-1 से आगे थी।

सबालेंका ने एकातेरिना को 6-4, 6-0 से हराया

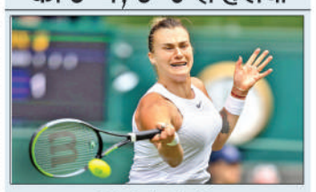

अन्य मुकाबलों के ऐसे रहे परिणाम

अन्य मुकाबलों में दूसरी वरीयता प्राप्त एरिना सबालेंका ने 21वीं रैंकिंग वाली एकातेरिना अलेक्जेंड्रोवा को 6-4, 6-0 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई। अब उनका सामना अमेरिका की मेडिसन कीस से होगा जिसने 16 वर्ष की मीरा आंद्रीवा को 3-6, 7-6, 6-2 से हराया। शीर्ष वरीयता प्राप्त इगा स्वियातेक की टक्कर एलिना स्वितोलिना से होगी जबकि चौथी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला का सामना मारकेटा वोंड्रोसोवा से होगा।

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के लिए दोनों टीमों की पहली सीरीज

भारत-वेस्टइंडीज के बीच पहला टेस्ट मैच आज से

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम 1 महीने के ब्रेक के बाद वेस्टइंडीज दौरे पर 12 जुलाई से अपने अभियान की शुरुआत करने जा रही है। इस दौरे की शुरुआत दो टेस्ट मैचों के साथ होगी। डोमिनिका में विंडसर पार्क 12-16 जुलाई तक पहले टेस्ट की मेजबानी करेगा। हालांकि डोमिनिका में खेले जाने वाले इस मैच पर बारिश का खतरा मंडरा रहा है।

यह विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 के लिए दोनों टीमों की पहली सीरीज होगी। भारतीय टीम वेस्टइंडीज से बेहतर नजर आ रही है। वेस्टइंडीज अपने घर में खेल रही है, ऐसे में भारतीय टीम उन्हें हल्के में लेने की भूल नहीं करेगी।

ब्रैथवेट और होल्डर से वेस्टइंडीज को उम्मीद

वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम क्रैग ब्रैथवेट और जेसन होल्डर जैसे अनुभवी खिलाड़ियों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद करेगी। केमार रोच और शैनन गेब्रियल गेंदबाजी में टीम की कमान संभालेंगे। अल्जारी जोसेफ दोनों तेज गेंदबाजों का साथ देते नजर आ सकते हैं। युवा तेजनारायण चंद्रपॉल से भी टीम को काफी उम्मीदें होंगी।

संभावित एकादश

क्रैग ब्रैथवेट (कप्तान), तेजनारायण चंद्रपॉल, किर्क मैकेंजी, एलिक अथानाजे, जर्मेन ब्लैकवुड, रहकीम कॉर्नवाल, जेसन होल्डर, जोशुआ दा सिल्वा (विकेटकीपर), शैनन गेब्रियल, अल्जारी जोसेफ और केमार रोच।

चेतेश्वर पुजारा भारतीय टीम शामिल नहीं

भारतीय टीम में चेतेश्वर पुजारा शामिल नहीं हैं। ऐसे में नंबर-3 पर यशस्वी जायसवाल नजर आ सकते हैं। खराब फॉर्म में चल रहे केएस भरत की जगह ईशान किशन को मौका मिल सकता है। जयदेव उनादकट भी पहला मुकाबला खेलते नजर आ सकते हैं।

संभावित एकादश: रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, यशस्वी जयसवाल, विराट कोहली, अजिंक्य रहाणे, ईशान किशन (विकेटकीपर), रविंद्र जडेजा, रविचंद्रन अश्विन, शार्दुल ठाकुर, मोहम्मद सिराज और जयदेव उनादकट।

हरमनप्रीत की आईसीसी महिला टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में टॉप 10 में वापसी

एजेंसी ▶▶ दुबई

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने बांग्लादेश के खिलाफ तीन मैचों की श्रृंखला के पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय में अच्छे प्रदर्शन की बदौलत मंगलवार को जारी नवीनतम आईसीसी महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष 10 में वापसी की। हरमनप्रीत ने 115 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 35 गेंद में नाबाद 54 रन की पारी खेली जिससे वह चार स्थान के फायदे से 10वें स्थान पर पहुंच गई हैं।

बल्लेबाजों की सूची में इंग्लैंड की डेनी वाट (तीन स्थान के फायदे से 14वें स्थान पर) और ऑस्ट्रेलिया की ऑलराउंडर एलिस पैरी (छह स्थान के फायदे से 25वें स्थान पर) को भी फायदा हुआ है।

ताहलिया टॉप पर

ऑस्ट्रेलिया की ताहलिया मैकग्रा 784 अंक के साथ शीर्ष पर चल रही हैं जबकि उनके बाद टीम की उनकी साथी बेथ मूनी (777) का नंबर आता है। स्मृति मंधाना (728), सोफी डिवाइन (683) और सूजी बेट्स (677) शीर्ष पांच में शामिल अन्य खिलाड़ी हैं। बांग्लादेश के खिलाफ पहले मैच में किफायती गेंदबाजी करने वाली दीप्ति शर्मा गेंदबाजों की सूची में 733 अंक के साथ तीसरे स्थान पर पहुंच गई है। उन्हें कोई विकेट नहीं मिला था लेकिन दीप्ति ने अपने स्पैल में सिर्फ 14 रन दिए थे। नोनकुलुलेको मलाबा (746) शीर्ष पर चल रही हैं जबकि सोफी एक्लेस्टोन (788) दूसरे स्थान पर हैं।

हिलव्यू समाचार

देश-विदेश

जयपुर, शुक्रवार, 14 जुलाई 2023

संस्कृति कार्य समूह की बैठक में महिलाओं ने बनाया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड

लंबानी कढ़ाई की वस्तुओं की सुंदर कला का बेजोड़ प्रदर्शनि

450 से अधिक लंबानी महिला कारीगरों ने दिखाई प्रतिभा

हम्पी में आयोजित जी-20 संस्कृति कार्य समूह की बैठक

पर्यावरण के प्रति जागरूकता की दिशा में हुई चर्चा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत के जी-20 प्रेसीडेंसी के तहत संस्कृति कार्य समूह की बैठक में अनोखा रिकॉर्ड बना। दरअसल, हम्पी में जी-20 के तीसरे संस्कृति कार्य समूह की बैठक के तहत लम्बानी कढ़ाई वस्तुओं का सबसे बड़ा प्रदर्शन किया गया, जिसने गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। हम्पी में आयोजित जी-20 संस्कृति कार्य समूह की बैठक में संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने सोमवार को प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।

भारत की कई पारंपरिक टिकाऊ प्रथाएं

इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि लंबानी पैच वर्क कढ़ाई भारत की कई पारंपरिक टिकाऊ प्रथाओं का उदाहरण है और यह टिकाऊ प्रथा प्रधानमंत्री के अभियान, मिशन 'लाइफ' (पर्यावरण के लिए जीवन शैली), और संस्कृति कार्य समूह की 'संस्कृति' की पहल के साथ संरेखित है। जीवन के लिए,' जो पर्यावरण के प्रति जागरूक जीवनशैली और स्थिरता की दिशा में ठोस कार्रवाई को बढ़ावा देता है।

क्या है लंबानी ?

लंबानी कढ़ाई कपड़ा अलंकरण का एक जीवंत और जटिल रूप है, जो रंगीन धागों, मिरर के काम और सिलाई पैटर्न की एक समृद्ध श्रृंखला की विशेषता है। यह कर्नाटक के कई गांवों जैसे संदुर, केरी टांडा, मरिम्मनहल्ली, कादिरामपुर, सीताराम टांडा, बीजापुर और कमलापुर में प्रचलित है। मुख्य रूप से लम्बानी समुदाय की कुशल महिलाओं द्वारा समर्थित यह समृद्ध कढ़ाई परंपरा, आजीविका और जीविका के एक महत्वपूर्ण स्रोत के रूप में कार्य करती है, जो आर्थिक सशक्तिकरण के साथ जीवन पद्धतियों को जोड़ती है।

कल्चर यूनाइट्स ऑल का उत्पाद

उन्होंने यह भी कहा कि लंबानी गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड की परियोजना सीडब्ल्यूजी अभियान 'कल्चर यूनाइट्स ऑल' का एक उत्पाद है, जो मानव जाति की विविध और गतिशील सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों का जश्न मनाता है। उन्होंने कहा कि एक पैचवर्क के रूप में, जहां विभिन्न टुकड़े एक साथ आते हैं एक बड़े वस्त्र का निर्माण करते हुए, 'संस्कृति सभी को एकजुट करती है' इस बात की वकालत करती है कि दुनिया की संस्कृतियां अलग-अलग हैं फिर भी जुड़ी हुई हैं।

संदुर कुशला कला केंद्र से जुड़ी महिलाएं

संदुर कुशला कला केंद्र (एसकेकेके) से जुड़ी कलाकारों और 450 से अधिक लंबानी महिला कारीगरों ने मिलकर 1755 पैचवर्क वाली जीआई-टैग वाली संदूर लंबानी कढ़ाई का उपयोग करके इन वस्तुओं को तैयार किया। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड का यह प्रयास पीएम मोदी के मिशन लाइफ (पर्यावरण के लिए जीवन शैली) के अभियान और पर्यावरण के प्रति जागरूक जीवन शैली और स्थिरता की दिशा में एक ठोस कार्रवाई के साथ जुड़ा हुआ है।

एक नज़र

अमेरिकी अधिकारियों का बांग्लादेश दौरा

ढाका। अमेरिका के एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल का बांग्लादेश दौरा दोनों देशों के रिश्तों में हाल में बढ़ी कड़वाहट के बीच हो रहा है। अमेरिकी दल का कार्यक्रम मंगलवार से शुक्रवार तक बांग्लादेश में रहने का है। इसमें अमेरिका के दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों के प्रभारी सहायक विदेश मंत्री डॉनल्ड लू, नागरिक सुरक्षा और लोकतंत्र और मानव अधिकार मामलों की उप विदेश मंत्री उज़रा जेया शामिल हैं।

पुतिन के पास है 609 करोड़ की लग्जरी ट्रेन

नई दिल्ली। यूक्रेन के साथ जारी युद्ध के बीच रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। दरअसल, पुतिन के पास एक सुपर लग्जरी ट्रेन होने की बात सामने आई है जिसमें जिम, स्पा से लेकर बाथरूम तक की सुविधाएं हैं। कुछ लोगों द्वारा इसे पुतिन की खुफिया ट्रेन कहा गया है। पुतिन की लग्जरी ट्रेन की जानकारी हाल ही में लीक हुए दस्तावेजों से सामने आई है जिसे लंदन स्थित रूसी जांच समूह डॉजियर सेंटर ने हासिल किए हैं।

घर आश्रय, भोजन, कपड़े, परामर्श, प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाएं मिलेंगी

बाल तस्करी रोकने के लिए सरकार ने उठाए ज़रूरी कदम

केंद्र सरकार ने नाबालिग लड़कियों और युवा महिलाओं के संरक्षण, पुनर्वास के लिए सीमावर्ती क्षेत्रों में राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों को वित्तीय सहायता प्रदान करने का निर्णय लिया है।

- लड़कियों की होती है तस्करी
- सीमावर्ती राज्यों में ज्यादा संकट

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय तस्करी पीड़ितों के लिए घर आश्रय, भोजन, कपड़े, परामर्श, प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाएं और अन्य दैनिक आवश्यकताएं जैसे सेवाएं प्रदान करेंगी। मंत्रालय के अनुसार मिशन वात्सल्य योजना के दिशानिर्देशों के अनुरूप उपयुक्त सुविधा के लिए पीड़ित लड़कियों को सीडब्ल्यूसी के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा और राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों से आवश्यक कार्रवाई करने का अनुरोध किया जाएगा।

दूर हो जाएगा जीवनयापन का संकट

तस्करी से रेस्क्यू पीड़ितों खास तौर से नाबालिग लड़कियों या महिलाओं के सामने जीवनयापन का अक्सर बड़ा संकट खड़ा हो जाता है। ऐसी महिलाओं और लड़कियों के लिए केंद्र सरकार ने बड़ी पहल की है। केंद्र सरकार ने नाबालिग लड़कियों और युवा महिलाओं के लिए संरक्षण और पुनर्वास गृह स्थापित करने के लिए सीमावर्ती क्षेत्रों में राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों को वित्तीय सहायता प्रदान करने का निर्णय लिया है।

नाबालिग लड़कियों की ज्यादा होती है तस्करी

आंकड़ों के अनुसार भारत मानव तस्करी के लिए एक स्रोत और साथ ही डेस्टिनेशन देश है। स्रोत देश नेपाल, बांग्लादेश और म्यांमार हैं जहां से भारत में बेहतर जीवन, नौकरी और रहने की अच्छी स्थिति की आड़ में महिलाओं और लड़कियों की तस्करी की जा रही है। उनमें से अधिकांश नाबालिग लड़कियां और कम उम्र की महिलाएं हैं, जिन्हें भारत में आने के बाद बेच दिया जाता है और व्यावसायिक यौन कार्य में धकेल दिया जाता है।

सीमावर्ती राज्यों को सतर्क रहने की जरूरत

ये लड़कियां और महिलाएं अक्सर मुंबई, दिल्ली, हैदराबाद आदि प्रमुख शहरों में पहुंचती हैं, जहां से उन्हें देश से बाहर मुख्य रूप से पश्चिम एशिया एशिया और दक्षिण पूर्व एशिया में ले जाया जाता है। सरकार का मानना है कि इन देशों के सीमावर्ती राज्यों को अधिक सतर्क रहने की आवश्यकता है और तस्करी के पीड़ितों को राहत और पुनर्वास सेवाएं प्रदान करने के लिए पर्याप्त सुविधाएं होनी चाहिए।

बुनियादी ढांचे होंगे मजबूत

एक अधिकारी ने कहा कि सरकार सीमावर्ती क्षेत्रों में बाल तस्करी से निपटने के लिए बुनियादी ढांचे में बदलाव किए जाएंगे और तंत्र को मजबूत किया जाएगा। सरकार ने देश के हर जिले में मानव तस्करी रोधी इकाइयों (एएचटीयूएस) को स्थापित करने और मजबूत करने के लिए निर्भया फंड के तहत सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को धन मुहैया कराया है। अधिकारी ने कहा, इसके अलावा, बीएसएफ और एसएसबी जैसे सीमा सुरक्षा बलों में एएचटीयूएस के लिए भी धन उपलब्ध कराया गया है।

सीमा सुरक्षा बलों के 788 एएचटीयू कार्य कर रहे

केंद्र सरकार ने देश के हर जिले में मानव तस्करी रोधी इकाइयों (एएचटीयू) को स्थापित और मजबूत करने के लिए निर्भया फंड के तहत सभी राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों को धन मुहैया कराया है। इसके अलावा, सीमा सुरक्षा बल(बीएसएफ) और एसएसबी जैसे सीमा सुरक्षा बलों में एएचटीयू के लिए भी धन मुहैया कराया गया है। फिलहाल सीमा सुरक्षा बलों के 788 एएचटीयू कार्य कर रहे हैं।

10 चरणों में चंद्रमा पर पहुंचेगा चंद्रयान-3

इसरो ने श्रीहरिकोटा में पूरा किया चंद्रयान 3 लॉन्च रिहर्सल

- 40 से 45 दिन लगेंगे लैंडर को चांद पर पहुंचने में

एजेंसी ▶▶ श्रीहरिकोटा/नई दिल्ली

इसरो ने 11 जुलाई को चंद्रयान-3 की लॉन्चिंग का रिहर्सल पूरा कर लिया है। यह रिहर्सल 24 घंटे चलता है। इसमें श्रीहरिकोटा के लॉन्च सेंटर से लेकर अन्य स्थानों के सभी केंद्र, टेलिमेट्री सेंटर और कम्यूनिकेशन यूनिट्स की तैयारियों का जायजा लिया जाता है। माहौल एकदम लॉन्च के समय जैसा होता है। बस रॉकेट को लॉन्च नहीं करते। ऐसा इसलिए करते हैं ताकि सभी सेंटर्स को उनका काम और उससे संबंधित क्रम याद रहे। चंद्रयान-3 इस बार 10 चरणों में चंद्रमा की सतह तक पहुंचेगा। 45 से 50 दिन लैंडर को चांद की सतह पर पहुंचने में लगेंगे। इन सभी चरणों को पूरा करने में यानी 14 जुलाई 2023 की लॉन्चिंग से लेकर लैंडर और रोवर के चांद की सतह पर उतरने में करीब 45 से 50 दिन लगेंगे।

यह हैं 10 चरण

- पहला है पृथ्वी केंद्रित चरण... यानी धरती पर होने वाले काम। इसमें तीन स्टेज आते हैं।
- दूसरा चरण है- लूनर ट्रांसफर फेज यानी चंद्रमा की तरफ भेजने का काम।
- तीसरा चरणः लूनर ऑर्बिट इंसर्सन फेज। यानी चांद की कक्षा में चंद्रयान-3 को भेजा जाएगा।
- चौथा चरण... सात से आठ बार ऑर्बिट मैन्यूवर करके चंद्रयान-3 चंद्रमा की सतह से 100 किमी ऊंची कक्षा में चक्कर लगाना शुरू कर देगा।
- पांचवें चरणः प्रोपल्शन मॉड्यूल और लूनर मॉड्यूल एकदूसरे से अलग होंगे।
- छठा चरण... जिस दिशा में जा रहे हैं, उसमें गति को कम करना।
- सातवां चरण...प्री-लैंडिंग फेज यानी लैंडिंग से ठीक पहले की स्थिति।
- आठवां चरण... जिसमें लैंडिंग कराई जाएगी।
- नौवां चरण... लैंडर और रोवर चंद्रमा की सतह पर सामान्य हो रहे होंगे।
- दसवां चरण... प्रोपल्शन मॉड्यूल का चंद्रमा की 100 किलोमीटर की कक्षा में वापस पहुंचना।

इस बार स्वदेशी प्रोपल्शन मॉड्यूल भेज रहे

चंद्रयान-3 में इस बार ऑर्बिटर नहीं भेजा जा रहा है। इस बार स्वदेशी प्रोपल्शन मॉड्यूल भेज रहे हैं। यह लैंडर और रोवर को चंद्रमा की कक्षा तक लेकर जाएगा। इसके बाद यह चंद्रमा के चारों तरफ 100 किलोमीटर की गोलाकार कक्षा में चक्कर लगाता रहेगा। इसे ऑर्बिटर इसलिए नहीं बुलाते क्योंकि यह चंद्रमा की स्टडी नहीं करेगा। इसका वजन 2145.01 किलोग्राम होगा। जिसमें 1696.39 किलोग्राम ईंधन होगा। यानी मॉड्यूल का असली वजन 448.62 किलोग्राम है। इसमें एस-बैंड ट्रांसपोंडर लगा है, जिसके इंडियन डीप स्पेस नेटवर्क से सीधे संपर्क में रहेगा।

सिंगापुर संसद अध्यक्ष ने विपक्ष से मांगी माफी

सिंगापुर। सिंगापुर के संसद अध्यक्ष टैन-चुआन-जिन ने विपक्षी संसद सदस्य से मंगलवार को माफी मांगी है। आरोप है कि अप्रैल में भारतीय मूल के एक सांसद को बुलाने के बाद उन्होंने विपक्षी दल के संसद सदस्य का अपमान किया था। उन्होंने जैमस को 'पॉपुलिस्ट' कहा था। ये वाकया इस साल 17 अप्रैल को तब हुआ था जब विपक्षी वर्कर्स पार्टी के सांसद जैमस लिम के भाषण के बाद सत्तारूढ़ पीपुल्स एक्शन पार्टी के सांसद विक्रम नायर को बोलने के लिए बुलाया गया था।

द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा

विदेश सचिव क्वात्रा पहुंचे कोलंबो,विदेश मंत्री से मिले

एजेंसी ▶▶ कोलंबो

भारत के विदेश सचिव विनय मोहन क्वात्रा ने मंगलवार को श्रीलंका के विदेश मंत्री अली साबरी से मुलाकात की और द्विपक्षीय संबंधों तथा राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे की आगामी भारत यात्रा पर चर्चा की। क्वात्रा कई भारतीय परियोजनाओं का जायजा लेने और अगले सप्ताह श्रीलंकाई राष्ट्रपति विक्रमसिंघे की भारत यात्रा के लिए जमीन तैयार करने के वास्ते दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर सोमवार रात यहां पहुंचे।

श्रीलंका और भारत के बीच मजबूत होती दोस्ती से चीन को परेशानी

भारत और श्रीलंका के प्राचीन समय से अच्छे संबंध रहे हैं। मगर चीन भारत और श्रीलंका के संबंधों को खराब करने पर तुला है। श्रीलंका को इस बात का एहसास तब हुआ, जब उसके आर्थिक संकटकाल में केवल भारत काम आया। इसलिए अब श्रीलंका चीन को नजरंदाज करने लगा है।

कंट्रोल टॉवर से सुबह 10 बजे टूटा संपर्क

नेपाल में हेलीकॉप्टर क्रैश पांच लोगों के शव बरामद

एजेंसी ▶▶ काठमांडू

नेपाल के सोलुखुभु से काठमांडू जा रहा एक हेलीकॉप्टर लापता होने के बाद क्रैश हो गया। इसमें सवार छह में पांच लोगों के शव घटनास्थल से ही बरामद कर लिए गए हैं। बताया गया है कि सुबह करीब 10 बजे इस हेलीकॉप्टर का संपर्क कंट्रोल टॉवर से टूट गया। इसके बाद से ही चॉपर की कोई जानकारी नहीं मिली है। अधिकारियों ने बताया कि उन्होंने हेलीकॉप्टर का मलबा और पांच शवों को घटनास्थल से ही बरामद कर लिया।

सरकार ने हेलीकॉप्टर में सवारों की सूची जारी की

अधिकारियों के मुताबिक, मनांग एयर का हेलीकॉप्टर माउंट एवरेस्ट के करीब लापता हुआ है। त्रिभुवन इंटरनेशनल एयरपोर्ट के महाप्रबंधक प्रताप भानु तिवारी ने कहा कि हेलीकॉप्टर उड़ान भरने के 15 मिनट बाद ही संपर्क से बाहर हो गया। हेलीकॉप्टर क्रैश की सूचना भाकंजे गांव के लामजुरा स्थित चिहानडंडा के रहने वाले लोगों ने दी।

वैज्ञानिकों ने दी चेतावनी, कहा- अभी तो शुरुआत है...

बारिश का रौद्र रूपः भारत समेत कई देशों में बाढ़ से मची तबाही

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पूरे भारत में इस वक्त मानसून अपने चरम पर है। भीषण बारिश के चलते भारत के बहुत से हिस्सों में बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए हैं। हिमाचल प्रदेश के बहुत से क्षेत्र पानी में जलमग्न नजर आए। लगातार हो रही बारिश और लैंडस्लाइट के चलते पहाड़ों पर ही 35 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। ऐसी स्थिति केवल भारत की ही नहीं दुनिया भर की है। चीन, अमेरिका, जापाना, तुर्किय में बाढ़ जैसे हालात ही बने हुए हैं। जापान में बारिश के चलते लैंडस्लाइड में दो लोगों की मौत हो गई।

दुनिया भर में आ रही बाढ़ में है एक समानता

भले ही दुनिया भर के हिस्सों में आ रही बाढ़ एक दूसरे से हजारों किलोमीटर की दूरी पर है लेकिन वैज्ञानिकों की मानें तो इन सबके बीच कुछ तो एक समान है। वैज्ञानिकों ने कहा कि ये बाढ़ गर्म वातावरण में बनने वाले तूफानों का परिणाम हैं, जिससे अत्यधिक बारिश आम बात हो गई है।

साल 2100 तक ऐसा होगा पृथ्वी का हाल

वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि 21वीं सदी का मध्य आते-आते तापमान 40 डिग्री सेल्सियस जैसा और आर्द्रता साल में 20 से 50 बार होने लगेगी। 2022 में एक अध्ययन किया गया था। उसके अनुसार साल 2100 तक, अमेरिका के दक्षिणपूर्व जैसे स्थानों के लिए भीषण गर्मी सूचकांक अधिकांश गर्मियों तक बना रह सकता है।

बंदूकधारियों ने बाजार में 9 लोगों को जिंदा जलाया

मेक्सिको। मेक्सिको में नकाबपोश बंदूकधारियों ने दिल दहला देने वाली घटना को अंजाम दिया है। नकाबपोशों ने पहले तो मेक्सिको की बाजार में जबरदस्त गोलीबारी की। इसके बाद फिर दुकानों में आग लगाकर 9 लोगों को जिंदा जला डाला। इसके बाद मौके से भाग निकले। घटना के वक्त बाजार में सुरक्षाकर्मी भी नदारद थे। इस घटना के बाद से पूरे बाजार में मातम पसर गया है। बताया जाता है कि नकाबपोश दुकानदारों से पैसा वसूलते थे।

इंवेस्टमेंट बैंक गोल्डमैन साक्स ने अपनी एक रिसर्च में कहा

2075 तक अमेरिका को भी पीछे छोड़ देगा भारत

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

गोल्डमैन साक्स रिसर्च के भारतीय अर्थशास्त्री शांतनु सेनगुप्ता ने कहा, भारत के लिए, बढ़ती आबादी की क्षमता को समझने की कुंजी अपने श्रम बल के भीतर भागीदारी को बढ़ावा देना है।

इन्वेस्टमेंट बैंक गोल्डमैन साक्स ने अपनी एक रिसर्च में कहा कि भारत वर्ष 2075 तक दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगी। भारत की 1.4 अरब आबादी दुनिया की सबसे अधिक आबादी बन जाएगी। इससे इसकी जीडीपी में खासा विस्तार होने का अनुमान है। इस संबंध में गोल्डमैन साक्स रिसर्च के भारतीय अर्थशास्त्री शांतनु सेनगुप्ता ने कहा, भारत के लिए, बढ़ती आबादी की क्षमता को समझने की कुंजी अपने श्रम बल के भीतर भागीदारी को बढ़ावा देना है, साथ ही प्रतिभा के विशाल पूल के लिए प्रशिक्षण और कौशल प्रदान करना है।

खास बातें

- दुनिया की सबसे अधिक आबादी वाला होगा भारत
- जीडीपी में होगी अत्याधिक वृद्धि
- दूसरे देशों पर निर्भरता होगी कम

अधिक नौकरियां होंगी पैदा

रिपोर्ट में कहा गया है कि इससे देश में अधिक नौकरियां पैदा करने और एक बड़ी श्रम शक्ति का उचित इस्तेमाल करने में मदद मिलेगी। गोल्डमैन ने अनुमान जताया कि पूंजी निवेश भारत की वृद्धि का एक और महत्वपूर्ण चालक होगा।

यह सबसे उचित समय

सेनगुप्ता ने कहा कि भारत की तेजी से बढ़ती आबादी की क्षमता को बाहर निकालने की कुंजी श्रम शक्ति को बढ़ावा देना है। अगले 20 साल तक बड़ी अर्थव्यवस्थाओं पर भारत की निर्भरता का अनुपात घटेगा। क्षमता स्थापित करने का सही समय है।

उत्पादक वृद्धि के माध्यम से विकास में तेजी

उच्च उत्पादकता वृद्धि के माध्यम से विकास में तेजी आ सकती है। भारत ने इंटरनेट और मोबाइल इंटरनेट की व्यापक पहुंच के माध्यम से अर्थव्यवस्था के डिजिटलीकरण के मामले में एक बड़ी छलांग लगाई है। इसके साथ ही आपके पास विशिष्ट पहचान संख्या, जिसे 'आधार' कहा जाता है, दुनिया की सबसे बड़ी बायोमेट्रिक आईडी प्रणाली है, जिसके द्वारा अब आप 1.4 अरब आबादी की पहचान को ऑनलाइन और भौतिक रूप से सत्यापित करने में सक्षम हैं।

अग्निकांड में करोड़ों का नुकसान

बोकारो में इस्कॉन मंदिर तबाह कई मूर्तियां जलकर राख

एजेंसी ▶▶ बोकारो (झारखंड)

बोकारो का इस्कॉन मंदिर और हंस मंडप मंगलवार को भीषण आग में जलकर तबाह हो गया। मंदिर की कई प्रतिमाएं नष्ट हो गईं। मंदिर प्रबंधन से जुड़े लोगों ने इस अग्निकांड के पीछे साजिश की आशंका जताई है। प्रबंधन ने पहले भी जिले के उपायुक्त को पत्र लिखकर सुरक्षा की मांग की थी। पत्र में कहा गया था कि असामाजिक तत्वों से खतरे की आशंका है। लगभग 2 घंटे के प्रयास के बाद आग पर काबू पा लिया गया।

सुबह साढ़े 8 बजे लगी थी आग

रविवार के दिन यहां भक्तों की भारी उमड़ती है। सामान्य दिनों में भी भक्त आते रहते हैं। मंगलवार सुबह साढ़े 8 बजे के आसपास अचानक आग लगी। मंदिर परिसर में मौजूद लोग कुछ समझ पाते, उसके पहले ही देखते-देखते तेज लपटें उठने लगीं।

एक नज़र

'अथ श्री सचिन पायलट कथा' का विमोचन

हिलव्यू समाचार

जयपुर। पिंकसिटी प्रेस क्लब के मीडिया सेंटर में बुधवार दोपहर वरिष्ठ पत्रकार सत्य पारीक की 52वीं पुस्तक 'अथ श्री सचिन पायलट कथा' का विमोचन किया गया। समारोह में वरिष्ठ पत्रकार प्रवीण चंद्र छाबड़ा और गोपाल शर्मा सहित अन्य पत्रकार एवं साहित्यकार शामिल हुए। सत्य पारीक ने कहा कि यह पुस्तक मुख्यमंत्री अशोक गहलोत एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट के राजनीतिक संबंधों में हुई उठापटक पर आधारित है। वरिष्ठ पत्रकार प्रवीण चंद्र छाबड़ा ने कहा कि सत्य पारीक के पत्रकार के साथ-साथ लेखक के रूप में स्थापित होने पर उन्हें आशीर्वाद देता हूं। समारोह में वरिष्ठ पत्रकार गोपाल शर्मा ने कहा कि एक वह भी दौर था, जब पत्रकारों से सरकारें आत्मीयता का संबंध रखती थी। आज के दौर में जिस तरह से पत्रकारों की उपेक्षा की जाती है, वह चिंता का विषय है। पुस्तक का संपादन पत्रकार विमल सिंह तंवर ने किया है। समारोह में मंच संचालन पिंक सिटी प्रेस क्लब के पूर्व अध्यक्ष लल्लू लाल शर्मा ने किया।

SBI सिक्यूरिटीज का नया ऑफिस अब टोंक रोड पर

हिलव्यू समाचार

जयपुर। एसबीआई सिक्यूरिटीज लिमिटेड ने टोंक रोड पर नया कार्यालय खोला है, जिसका उद्घाटन मैनेजिंग डायरेक्टर दीपक लाला व भारतीय स्टेट बैंक, जयपुर मंडल के मुख्य महाप्रबंधक राजेश कुमार मिश्रा ने किया। एसबीआई सिक्यूरिटीज लिमिटेड शेयर ट्रेडिंग व डीमेट, खातों के साथ-साथ जयपुर में पिछले 7-8 वर्षों से अपने प्रवर्तक बैंक भारतीय स्टेट बैंक के लिए होम लोन, कार लोन तथा रिटेल लोन के प्रस्ताव तैयार कर प्रोसेसिंग केन्द्रों व शाखाओं को प्रस्तुत कर ऋण वितरित कराती है। इस अवसर पर एसबीआई सिक्यूरिटीज लिमिटेड के बिजनेस हेड विनीत सैमुअल तथा नेशनल हेड आनंद बेदमुथा व मुकेश कोठारी के साथ-साथ के महाप्रबंधक प्रभात कुमार मिश्रा, हेमंत करौलिया, चन्द्रभूषण कुमार सिंह, उपमहाप्रबंधक अनिरुद्ध चौधरी एवं अन्य उच्च अधिकारी मौजूद रहे।

देपाल ने संभाला अतिरिक्त जिम्मा

जयपुर। उप महानिदेशक अभियांत्रिकी मयंक कुमार का आकाशवाणी जयपुर से आकाशवाणी आगरा में समान संवर्ग में स्थानान्तरण हो जाने के कारण सतीश देपाल, उप महानिदेशक अभियांत्रिकी ने दूरदर्शन जयपुर के अतिरिक्त आकाशवाणी जयपुर के उप महानिदेशक एवं कार्यालय प्रमुख का भी अतिरिक्त कार्यभार ग्रहण कर लिया है। वे राजस्थान स्थित सभी आकाशवाणी केंद्रों के जोनल प्रमुख का कार्य भी देखेंगे। सतीश देपाल भारतीय प्रसारण सेवा (इंजिनियरिंग) के 1991 बैच के अधिकारी हैं। वे दूरदर्शन के अतिरिक्त आकाशवाणी के विभिन्न केंद्रों पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं। देपाल के नेतृत्व में पूर्व में आकाशवाणी उदयपुर एवं बांसवाड़ा को बेस्ट मेंटेण्ड केंद्रों के सम्मान से पुरस्कृत किया गया एवं राजभाषा के भी विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार प्राप्त हो चुके हैं।

मुख्यमंत्री गहलोत का लाभार्थियों से संवाद

सुरक्षा और रोजगार पर कानून बनाएगी सरकार

हिलव्यू समाचार

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मंगलवार को कहा कि राज्य सरकार सामाजिक सुरक्षा पेंशन एवं रोजगार गारंटी को लेकर कानून बनाएगी। मुख्यमंत्री निवास पर राज्य स्तरीय सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना लाभार्थी संवाद कार्यक्रम में सीएम गहलोत ने कहा कि प्रदेशवासियों को महंगाई से राहत और उनकी सामाजिक सुरक्षा उनकी सरकार की नैतिक जिम्मेदारी है। आमजन को न्यूनतम आय और सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने में कमी नहीं रखी जाएगी।

इसी भावना को लेकर राजस्थान विधानसभा के आगामी सत्र में सामाजिक सुरक्षा पेंशन और रोजगार गारंटी को लेकर हम कानून बनाएंगे। इससे प्रतिमाह न्यूनतम पेंशन राशि सहित हर वर्ष 15 प्रतिशत बढ़ोतरी सुनिश्चित की जाएगी। महात्मा गांधी नरेगा योजना और इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना के तहत राजस्थान में हम न्यूनतम 125 दिन का रोजगार सुनिश्चित करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सामाजिक सुरक्षा पेंशन राजस्थान सरकार के सामाजिक सुरक्षा मॉडल का प्रमुख अंग है। पेंशन आपका मान-सम्मान है, इसलिए राज्य सरकार सामाजिक और आर्थिक सम्बल प्रदान करने के हरसंभव प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र में पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व में देशवासियों को खाद्य सुरक्षा, सूचना, रोजगार और शिक्षा की गारंटी दी गई, अब वर्तमान केंद्र सरकार को भी पूरे देश में एक समान सामाजिक सुरक्षा कानून बनाना चाहिए, ताकि जरूरतमंदों को सहायता मिलें। मुख्यमंत्री ने राज्य के 51 लाख 21,969 पेंशनधारकों के बैंक खातों में 1005 करोड़ 41 लाख 28,750 रुपए हस्तांतरित किए। उन्होंने मुख्यमंत्री निवास पर राज्य स्तरीय सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना लाभार्थी संवाद कार्यक्रम में मई-जून माह की बढ़ी हुई पेंशन राशि (न्यूनतम 1000 रुपए) प्रत्यक्ष अंतरण लाभ से भेजी।

डबल इंजन तो हो रहा है फेल

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भाजपा नेताओं के 'डबल इंजन की सरकार' के नारे पर कटाक्ष करते हुए कहा कि सिंगल इंजन वाली उनकी सरकार लोगों के लिए ज्यादा काम कर रही है और वह ज्यादा सुरक्षित है। भाजपा के लोग कई बार कहते हैं कि हमारी सरकार डबल इंजन की सरकार है। उनका एक इंजन तो जगह-जगह फेल हो रहा है।उन्होंने आगे कहा कि असली इंजन तो राजस्थान सरकार है। सिंगल इंजन की सरकार होते हुए भी हम वे काम कर रहे हैं जो देश में डबल इंजन की सरकारें नहीं कर पा रही हैं। वह काम राजस्थान में हो रहा है।

प्रथम चरण में 40 लाख महिलाओं को मिलेगा स्मार्ट फोन

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि प्रथम चरण में 40 लाख महिलाओं को इसी माह से स्मार्ट फोन तीन साल की इंटरनेट सुविधा के साथ वितरित किए जाएंगे। साथ ही शीघ्र ही मुख्यमंत्री निशुल्क अन्नपूर्णा फूड पैकेट योजना में राशन पैकेट का वितरण भी आरंभ किया जाएगा।

कांग्रेस का मिशन रिपीट: सभी को एकजुट रहने का दिया संदेश

हिलव्यू समाचार

जयपुर। प्रदेश कांग्रेस कार्यालय (पीसीसी) में गुरुवार को कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्षों का सम्मेलन हुआ। इसमें कांग्रेस ने 'मिशन रिपीट' को लेकर सभी को एकजुट रहने का संदेश दिया।

इस बैठक में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत वर्चुअल तरीके से जुड़े और ब्लॉक अध्यक्षों को संबोधित किया। वहीं प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा, प्रदेश अध्यक्ष गोविंद डोटासरा, हरीश चौधरी, बीडी कल्ला के साथ सचिन पायलट भी मौजूद रहे।

उन्होंने कहा कि सरकार आते ही आलाकमान के निर्देश पर 3 महीने में बोर्ड और कॉरपोरेशन के अध्यक्ष चेयरमैन नियुक्त हो जाएंगे। गोविंद सिंह डोटासरा बोले सभी ब्लॉक अध्यक्ष अगले सात दिन में अपनी ब्लॉक कार्यकारिणी बना लें और जो अच्छा काम कर रहे हैं, उन्हें जिला कांग्रेस कमेटी में प्रमोट करने की सिफारिश भी करें। अभी हमें ग्राम पंचायत के अध्यक्ष भी बनाने हैं, जिसमें प्राथमिकता कांग्रेस विचारधारा वाले नेताओं को दी जाए।

ग्राम पंचायत अध्यक्ष होंगे नियुक्त

आगामी दिनों में संगठन का और विस्तार करने के लिए कांग्रेस पार्टी अब एक नया प्रयोग करने जा रही है। पार्टी ब्लॉक अध्यक्ष और मंडल अध्यक्ष के बाद अब ग्राम पंचायत अध्यक्ष भी बनाने जा रही है। ग्राम पंचायत पर एक अध्यक्ष बनाया जाएगा और 20 लोग ग्राम पंचायत अध्यक्ष की कार्यकारिणी में शामिल होंगे। पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि आज ब्लॉक अध्यक्षों का प्रशिक्षण शिविर हुआ है। संगठन की मजबूती को लेकर कार्यशाला में चर्चा हुई है। घर-घर तक सरकार की योजनाओं को पहुंचाएंगे। जल्द ही आने वाले दिनों में बूथ अध्यक्ष, ब्लॉक अध्यक्ष, मंडल अध्यक्षों का एक बड़ा सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे और राहुल गांधी शामिल होंगे।

सरकार के खिलाफ एंटी इनकंबेंसी नहीं

डोटासरा ने कहा कि प्रदेश में सरकार के खिलाफ एंटी इनकंबेंसी नहीं है। हमारी पार्टी का पूरा संगठन तैयार है। सरकार की बहुत अच्छी योजनाएं हैं, सब एकजुटता के साथ चुनाव में जाएंगे और 2023 में भी जीतेंगे और 2024 की जंग भी हम जीतेंगे। आने समय में केंद्र में भाजपा में बड़ा विस्फोट होगा। दो व्यक्ति पार्टी को चला रहे हैं। राहुल गांधी के साथ केंद्र सरकार ने जो किया उसको लेकर पूरे देश में आक्रोश है।

हम सब एकजुट: रंधावा

कांग्रेस में आपस में मनमुटाव हो सकते हैं लेकिन जब लड़ाई की बात आती है, कांग्रेस की बात आती है, तो हम मनमुटाव को भूल कर लड़ते हैं। हम बीजेपी जैसे नहीं हैं। कांग्रेस का डीएनए लड़ने का है, हम पार्टी में हमारी आवाज उठा सकते हैं। भाजपा में कोई बोल नहीं सकता। हमारी पार्टी ने देश की आजादी के लिए काम किया है। हम देश को पीछे ले कर जाने वाले नहीं हैं। जल्द ही आगामी चुनावों को लेकर मेनिफेस्टो कैंपेन सहित तमाम चुनाव की कमेटियों का गठन होगा और इस बार सितंबर में ही टिकट वितरण शुरू हो जाएगा। सर्वे के आधार पर अच्छी छवि और जिताऊ लोगों को टिकट दिए जाएंगे।

एकजुटता के साथ बनाई रणनीति

ब्लॉक अध्यक्षों की कार्यशाला में पार्टी पदाधिकारी एकजुटता के साथ रणनीति बनाते हुए नजर आए। ब्लॉक अध्यक्षों को गांव-गांव तक सरकार की योजनाएं और पार्टी की विचारधारा को पहुंचाने को लेकर वरिष्ठ नेताओं ने प्रशिक्षण दिया। संगठन में सक्रिय होकर अच्छा कार्य करने वाले सर्वश्रेष्ठ ब्लॉक अध्यक्षों का खिताब भी दिया जाएगा।

देव दर्शन यात्रा में पहुंची शकुंतला रावत

क्या भाजपा ने देवी देवताओं का ले रखा है कॉन्ट्रैक्ट: रावत

हिलव्यू समाचार

जयपुर। जयपुर और जोधपुर संभाग में देवस्थान विभाग की ओर से देव दर्शन यात्रा के बाद गुरुवार को भरतपुर में देव दर्शन यात्रा शुरू हुई। इसमें देवस्थान मंत्री शकुंतला रावत ने नंगे पैर चलकर देव दर्शन किए। साथ ही इनके साथ मंत्री सुभाष गर्ग भी मौजूद रहे।

इस मौके पर रावत ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि क्या भाजपा ने भगवान राम या देवी देवता का कॉन्ट्रैक्ट ले रखा है। क्या वाल्मीकि ऋषि से पहले भाजपा थी। ईश्वर किसी पार्टी विशेष का नहीं होता है, बल्कि ईश्वर एक शक्ति है और हर धर्म में इंसान का सर झुकता है। फिलहाल राजस्थान में भाजपा के पास कोई मुद्दा नहीं है, इसलिए वह देवताओं को बीच में लाते हैं। अशोक गहलोत ने यहां सभी मुद्दों को पूरा कर दिया।

सांसद बोहरा ने किया जयपुर जंक्शन का दौरा

हिलव्यू समाचार

जयपुर। लोकसभा सांसद रामचरण बोहरा ने बुधवार को जयपुर जंक्शन का दौरा किया है। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक नरेंद्र कुमार ने सांसद बोहरा का स्वागत किया। सासंद बोहरा ने स्टेशन के कॉर्नकोर्स हॉल में स्थापित जयपुर स्टेशन के पुनर्विकास संबंधित मॉडल का अवलोकन किया।

इसके अलावा यात्री सुविधाओं, पार्किंग की व्यवस्था,स्टेशन पर पिक एंड ड्रॉप मार्ग, कॉर्नकोर्स एरिया, स्टेशन बिल्डिंग की डिजाइन एवं अधिकतम स्पेस यूटिलाइजेशन के बारे में जानकारी ली। उन्होंने द्वितीय प्रवेश द्वार पर चले रहे पुनर्विकास कार्य को देखा और यात्रियों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के लिए दिशा-निर्देश

प्रदान किए।

अधिकारियों से गांधीनगर, खातीपुरा, सांगानेर रेलवे स्टेशन पर चल रहे कार्य के बारे में विस्तृत जानकारी ली। इस दौरान वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक मुकेश सैनी, जयपुर स्टेशन निदेशक मिहिर देव, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर(समन्वय) विनय टाक सहित मंडल व मुख्यालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

एक्शन में जलदाय मंत्री

गलत जानकारी देने वाले एक्सईएन को मंत्री ने किया एपीओ

हिलव्यू समाचार

जयपुर। पीएचईडी मंत्री डॉ. महेश जोशी द्वारा 11 जुलाई को हुई पेयजल विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान गलत तथ्य एवं जानकारी देने के कारण अधिशासी अभियंता गिरीश कुमार जैन को गुरुवार को एपीओ किया गया है।

इनकी जगह अधिशासी अभियंता का अतिरिक्त कार्यभार निशा शर्मा को दिया गया। वहीं गुरुवार को अतिरिक्त मुख्य सचिव, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी डॉ. सुबोध अग्रवाल ने समीक्षा बैठक ली।

जहां उन्होंने बारिश से पहले निर्धारित लक्ष्य के अनुसार हैंडपंप एवं नलकूप खुदाई नहीं होने पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि मार्च-अप्रैल में स्वीकृत हैंडपंप एवं नलकूप अभी बारिश के मौसम में खोदने से कम गहराई पर पानी आ जाएगा और अगले साल गर्मी के मौसम में ये फिर से सूख जाएंगे।

विभागीय अभियंताओं की इस लापरवाही से एक साल में ही हैंडपंप-ट्यूबवैल अनुपयोगी हो जाते हैं और आमजन की पेयजल की समस्या का भी समाधान नहीं हो पाता। उन्होंने अधिकारियों को वर्षाकाल में हैंडपंप की खुदाई नहीं करने के निर्देशों की पालना सख्ती से करने को कहा।

हर घर जल सर्टिफिकेशन के कार्य में हो रही लापरवाही पर डॉ. अग्रवाल ने एसीई (सपोर्ट एक्टीविटीज) सतीश जैन को कार्य पर फोकस करने के निर्देश दिए। उन्होंने बीसलपुर-जयपुर ट्रांसमिशन मेन लाइन में पिछले माह हुए लीकेज को भी गंभीरता से लेते हुए एसई (बीसलपुर प्रोजेक्ट) को फील्ड में रहकर मेंटिनेंस की पर्याप्त मॉनिटरिंग करने की बात कही।

तीन महीने में सात हजार से अधिक अवैध कनेक्शन हटाए

अतिरिक्त मुख्य सचिव ने अवैध कनेक्शन हटाने, बूस्टर्स जब्त करने, टंकियों की सफाई, शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में पुरानी एवं क्षतिग्रस्त पाइप लाइन बदलने के संबंध में प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने बताया कि इस वित्तीय वर्ष में अप्रैल से लेकर 30 जून तक 8729 अवैध जल संबंध चिन्हित किए गए, 841 कनेक्शन नियमित किए गए तथा 7888 अवैध जल संबंध हटाए गए। इसके अलावा जून माह में 3360 अवैध जल संबंध चिन्हित किए गए। जिनमें से 3092 हटाए गए एवं 268 कनेक्शन नियमित किए गए। वर्ष 2023-24 में सर्वाधिक अवैध जल संबंध चिन्हित करने वाले जिलों में नागौर (950), अजमेर (692), टोंक (608), नगर वृत्त, जोधपुर (544) एवं बाड़मेर (470) हैं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, एवं मुद्रक शालिनी श्रीवास्तव के लिए अम्बर ऑफसेट प्राइवेट लिमिटेड, डी.एल. टॉवर, 3-ए, विद्याश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर में मुद्रित एवं प्लॉट नंबर C-2,अर्शिया रेजिडेंसी, फ्लैट नंबर 201,आदर्श नगर,राजा पार्क जयपुर-302004 (राजस्थान) से प्रकाशित।

संपादक : शालिनी श्रीवास्तव **सह-संपादक:** हरीश श्रीवास्तव, छबड़ा बारां **सह-संपादक :** कुलदीप गुप्ता, जयपुर मो.: 9460678701, 7976561127 (21 जून 2014 से निरन्तर प्रकाशित) hillviewsamachar@gmail.com (राजस्थान सरकार से विज्ञापन हेतु स्वीकृत)